ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

वर्ष - 05, अंक -30 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 26 मार्च से 01 अप्रैल (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

संक्षिप्त समाचार

योगी सरकार का बड़ा फैसला, रामनवमी पर दो दिन का अवकाश

लखनऊ। रामनवमी पर योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। पहले से घोषित 26 मार्च के सार्वजनिक अवकाश के साथ अब 27 मार्च को भी छुट्टी घोषित कर दी गई है। मंदिरों में रामनवमी के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। हर साल इस पर्व पर बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचते हैं, जिससे व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे में अतिरिक्त अवकाश से लोगों को सुविधा मिलेगी और भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।

चांदी 11250 रुपये उछली, सोना भी 4900 रुपये महंगा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में बुधवार को बहुमूल्य धातुओं में पांच फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। चांदी 11,250 रुपये प्रति किलोग्राम उछलकर 2.41 लाख रुपये पर पहुंच गई, जबकि सोना 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। यह उछाल मजबूत वैश्विक रुझानों के कारण देखने को मिला। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, सफेद धातु चांदी में 11,250 रुपये, यानी 4.89 फीसदी की भारी वृद्धि हुई। मंगलवार के 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद भाव से यह बढ़कर 2,41,250 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

गुरुग्राम दुष्कर्म मामले में शीर्ष अदालत का गुस्सा फूटा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में तीन साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में असंवेदनशील रवैया अपनाने पर नाराजगी जताई है। हरियाणा पुलिस और उसकी बाल कल्याण समिति को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने कहा, यह शर्मनाक है कि हरियाणा पुलिस ने तीन वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता से खुद जाकर मुलाकात करने के बजाय उसे थाने बुलाया।

अमेरिका से कोई शांति वार्ता नहीं: ईरानी राजदूत

इस्लामाबाद। ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी शांति वार्ता से इनकार करते हुए कहा कि मौजूदा जंग अमेरिका की धोखेबाजी का नतीजा है। राष्ट्रपति ट्रंप के बातचीत के दावे को ईरान ने खारिज कर दिया है। इस्राइल ने भी किसी वार्ता की जानकारी से इनकार करते हुए सैन्य कार्रवाई जारी रखने की बात कही है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ किसी भी तरह की शांति वार्ता नहीं चल रही है। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोगदम के इस बयान ने उस समय स्थिति को और उलझा दिया, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है और युद्ध जल्द खत्म हो सकता है।

प्रदेश के 4.95 लाख से अधिक भूमिहीन कृषकों के खातों में 495 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित

मुख्यमंत्री ने दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत राशि का किया अंतरण

रायपुर। किसानों की खुशियों भरी होली के बाद अब भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिए भी यह नवरात्रि समृद्धि और आत्मविश्वास का संदेश लेकर आई है। छत्तीसगढ़ में सुशासन सरकार की योजनाएं अब सीधे जनजीवन में परिवर्तन का आधार बनती दिख रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार जिले में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलौदा बाजार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 4 लाख 95 हजार 965 भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में 495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि श्रम और सम्मान को सशक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को सरकार द्वारा तेजी और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने उल्लेख किया कि धान खरीदी में अंतर की राशि मिलने से किसानों ने इस वर्ष उत्साह और संतोष के साथ होली मनाई, वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिली राशि ने उनके आत्मनिर्भरता के संकल्प को और मजबूत किया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराते हुए मकानों की चाबियां भी सौंपीं। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में 18 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों के जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा का नया अध्याय जुड़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बलौदाबाजार की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का स्मरण करते हुए बाबा गुरु घासीदास, संत कबीर और शहीद वीर नारायण सिंह को नमन किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 10 हजार रुपये की सहायता राशि भूमिहीन कृषि मजदूरों को दी जा रही है।

जिससे वे अपने परिवार की आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा और छोटे व्यवसायों को आगे बढ़ाने में सक्षम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से किए गए वादे के अनुरूप 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार हेतु 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। साथ ही तेंदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि, चरण पादुका योजना का पुनः संचालन तथा रामलला दर्शन एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाओं के माध्यम से सामाजिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बिजली बिल समाधान योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि कोरोना काल में लंबित बिलों के निपटान हेतु विशेष छूट एवं आसान किस्तों की सुविधा प्रदान की जा रही है। यह योजना जून तक संचालित होगी और प्रदेशभर में इसके लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

18 नक्सली साथियों के साथ पापा राव ने किया आत्मसमर्पण

बंदूक की लड़ाई का कोई भविष्य नहीं : नक्सली पापा राव

जगदलपुर। नक्सलवाद की तस्वीर अब बदलती हुई नजर आ रही है. इसी बदलाव के अभियान के बीच 24 मार्च का दिन एक ऐतिहासिक मोड़ बनकर सामने आया है. मोस्ट वांटेड सीनियर नक्सली कमांडर पापा राव, जिसने वर्षों तक जंगलों को गोलियों की गूंज से अशांत रखा, उसने आखिरकार अपने 17 साथियों के साथ हथियार डालने का फैसला किया. इस बातचीत में उसने लोकतंत्र पर दोबारा भरोसा लौटने, बस्तर के भूगोल, माओवादी रणनीतियों और इलाके में तेजी से बढ़ते सुरक्षा कैंपों पर विस्तार से अपनी बात रखी.

10 दिन खुद से जंग, फिर बदला मन

नक्सली कमांडर पापा राव ने बताया कि करीब 10 दिनों तक खुद से लड़ने के बाद उसने हथियार छोड़ने का निर्णय लिया. इस लड़ाई ने संगठन से ज्यादा नुकसान आम आदिवासी जनता को दिया है. उसे अब संविधान की ताकत पर भरोसा है. वह अब जल, जंगल और जमीन की लड़ाई बंदूक से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से लड़ने की बात कर रहा है।

डरकर नहीं समझदारी से लिया फैसला

नक्सली कमांडर पापा राव ने कहा कि यह आत्मसमर्पण डरकर नहीं, बल्कि समझदारी से लिया गया फैसला है. क्योंकि अब बस्तर का भूगोल बदल चुका है. चारों तरफ सुरक्षा बलों की मजबूत पकड़, लगातार बढ़ते कैंप और सिमटता हुआ जंगल है. इन हालातों में माओवादी रणनीति कमजोर पड़ चुकी है. खास बातचीत में नक्सली कमांडर पापा राव ने शीर्ष माओवादी नेता देवजी को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी. कहा कि देवजी के जाने के बाद भी वह डटा रहा, उसने सोचा था कि वह बस्तर की कमान संभालेगा. लेकिन हालात ने उसे आईना दिखा दिया कि अब बंदूक की लड़ाई का कोई भविष्य नहीं है. जो माओवादी मुख्यधारा में नहीं लौटे हैं, पापा राव ने उनसे जंगल छोड़ने, समाज में लौटने की अपील की और कहा कि असली लड़ाई अब संविधान के भीतर ही जीती जा सकती है।

सीएम साय ने कहा-अफीम की खेती पर होगी सख्त कार्रवाई

बड़े रसूखदार भी नहीं बचेंगे- विदेश नीति और नक्सलवाद पर भी दी बयान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अफीम की अवैध खेती, विदेश नीति और नक्सलियों के आत्मसमर्पण जैसे मुद्दों पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कहीं भी अफीम की खेती बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसमें शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई होगी। सीएम साय ने कहा कि जब दुर्ग जिले में अफीम की खेती का मामला सामने आया था, तभी सभी कलेक्टरों को सख्त निर्देश दिए गए थे। कई जगहों पर पुलिस ने कार्रवाई कर खेती को चिन्हांकित भी किया है। उन्होंने दो टूक कहा कि चाहे कितने भी बड़े रसूखदार क्यों न हों, सरकार कार्रवाई जरूर करेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मुद्दे पर कलेक्टरों की बैठक भी ली गई थी और उनसे जांच रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विदेश नीति पर विपक्ष को जवाब

विपक्ष द्वारा केंद्र सरकार की विदेश नीति को कमजोर बताने पर सीएम साय ने पलटवार करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी देश के मजबूत नेता हैं और उनकी विदेश नीति प्रभावी है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए रास्ते खुले हैं और गैस व तेल की आपूर्ति भी सुगम हुई है।

बड़े नक्सलियों का सरेंडर होना सकारात्मक संकेत

नक्सलियों के सरेंडर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का स्पष्ट संकल्प है कि देश से नक्सलवाद खत्म किया जाएगा। 31 मार्च की समय सीमा के बीच लगातार नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं और पापाराव जैसे बड़े नक्सलियों का सरेंडर होना सकारात्मक संकेत है। सीएम साय ने इसे राज्य और देश के लिए अच्छी खबर बताते हुए कहा कि सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है।

दिलीप घोष के देख लेने वाले बयान पर बवाल, चुनाव आयोग पहुंची टीएमसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए सियासी रणभेरी बज चुकी है। लेकिन जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, नेताओं की जुबान भी तीखी होती जा रही है। ताजा मामला भाजपा के कद्दावर नेता दिलीप घोष से जुड़ा है। खड़गपुर में एक रैली के दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों को कथित तौर पर देख लेने की धमकी दी। अब इस मामले में तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई है। टीएमसी का आरोप है कि दिलीप घोष ने खड़गपुर के जनसभा में चुनावी ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया। शिकायत पत्र के मुताबिक, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिलीप घोष खड़गपुर थाने के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज को निशाना बनाते हुए उन्हें चोट पहुंचाने और डराने-धमकाने वाली बातें कह रहे हैं। टीएमसी ने इसे आदर्श चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन बताया है। ममता बनर्जी की पार्टी का कहना है कि यह अपराध है। दीदी की पार्टी ने मांग की है कि चुनाव आयोग दिलीप घोष के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई करे।

50 कॉप्स का नशे के खिलाफ मेगा ऑपरेशन

9 राज्यों तक फैला गांजा तस्करी का नेटवर्क ध्वस्त, 9 तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने उड़ीसा के पांच जिलों से 9 अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के आरोपियों को गिरफ्तार किया है. 48 घंटों में नशे की खिलाफ बड़ा अभियान चलाकर पुलिस ने नौ राज्यों में गांजा तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है.

अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों पर कार्रवाई के लिए एसीसीयू, एएनटीएफ और थानों की 50 सदस्यीय टीम बनाई गई थी. इस टीम ने प्राइम साप डॉ नरेश पटेल के नेतृत्व में लगातार 48 घंटे से अधिक तक विशेष अभियान चला कर उड़ीसा के पांच अलग-अलग जिलों में एक साथ छापा मारा. प्रकरण में एंड टू एंड विवेचना करते हुए उड़ीसा के पांच जिलों बरगढ़, बलांगीर, टिटलागढ़, कंधमाल, बौध, में एक साथ दबिश दी. पुलिस ने 6 अलगङ्क अलग प्रकरणों में कुल 9 अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जिनमें एक महाराष्ट्र और 8 उड़ीसा के मूल निवासी हैं।

पश्चिम एशिया पर सर्वदलीय बैठक खत्म: सरकार को मिला विपक्ष का साथ, रिजिजू बोले- तेल की कोई कमी नहीं, हालात स्थिर

नई दिल्ली (ए)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक कर स्थिति पर गहन चर्चा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में करीब 1 घंटे 45 मिनट तक चली।

इस बैठक में सरकार ने साफ संदेश दिया कि देश में हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और किसी भी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है। बैठक का मकसद विपक्ष को मौजूदा स्थिति से अवगत कराना और राष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता दिखाना था। बैठक में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से जुड़े मंत्री मौजूद रहे, जिनमें अमित शाह, एस जयशंकर और निर्मला सीतारमण शामिल हैं। इसके अलावा जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू भी बैठक में शामिल हुए। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने वैश्विक हालात और पश्चिम एशिया के संकट पर विस्तार से जानकारी दी। कांग्रेस के तारिक अनवर और मुकुल वासनिक, समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव और बीजद के सस्मित पात्रा भी बैठक में मौजूद रहे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक में सभी दलों ने हिस्सा लिया और सरकार के साथ खड़े होने का भरोसा दिया। उन्होंने बताया कि विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दिया गया और मौजूदा स्थिति पर विस्तार से जानकारी साझा की गई।

रिजिजू ने सभी दलों का धन्यवाद करते हुए कहा कि देशहित के मुद्दे पर राजनीतिक दलों ने एकजुटता दिखाई है और हालात के अनुसार सरकार जो भी कदम उठाएगी, उसमें पूरा सहयोग मिलेगा।

34 नग हीरे के साथ तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से लाखों रुपए के हीरे के साथ ओडिशा के एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया था. वह बगैर तराशे हुए हीरो के लिए ग्राहक तलाश कर रहा था. इसी दौरान पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया. पुलिस तस्करी के पूरे नेटवर्क और तस्करों से हीरा खरीदने वालों की जानकारी जुटा रही है. पूरा मामला कोतवाली थाना इलाके का है. जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने की सूचना मिली थी, जो कि हीरा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था. मुखबिर की सूचना पर आरोपी बंशीधर सेठी को दबोचा गया. वह ओडिशा के धोबापाडा निवासी है. गिरफ्तार आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया. गरियाबंद एसपी वेदव्रत सिरमौर ने कहा कि जिले में किसी भी प्रकार के अवैध मामलों में संलिप्त लोगों पर निगाह रखी जा रही है. अवैध कृत्य पाये जाने पर विधिसंगत कार्रवाई की जाएगी. यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगा।

ईरान की नौसेना का बड़ा दावा, अमेरिका के सबसे ताकतवर युद्धपोत अब्राहम लिंकन को बनाया निशाना

तेहरान (ए)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उसने अमेरिका के सबसे ताकतवर युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को मिसाइलों से निशाना बनाया है। ईरान का कहना है कि उसके तटीय क्रूज मिसाइलों ने समुद्र में तैनात इस युद्धपोत को टारगेट किया। इस दावे ने पहले से ही तनावपूर्ण हालात को और ज्यादा गंभीर बना दिया है। हालांकि इस हमले को लेकर अमेरिका की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ईरान की सेना के मुताबिक युद्ध के 26वें दिन यह कार्रवाई की गई।

ईरानी नौसेना ने कहा कि अब्राहम लिंकन लगातार उसकी निगरानी में था और जैसे ही वह मिसाइल की रेंज में आया, उसे निशाना बनाया गया। ईरान ने साफ किया है कि वह अमेरिका के हर कदम पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई जारी रखेगा। इस बीच पाकिस्तान ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को ईरान तक पहुंचाया है, लेकिन तेहरान ने बातचीत के संकेतों को खारिज कर दिया है।

ईरान का दावा है कि उसने सफलतापूर्वक हमला किया, लेकिन अमेरिका की तरफ से इस पर कोई पुष्टि नहीं आई है। ऐसे में इस दावे की सच्चाई को लेकर सवाल बने हुए हैं। हालांकि यह साफ है कि दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है और सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।

इस्राइल ने साफ कहा है कि वह ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगा जब तक खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता।

छोटे शहरों के लिए बड़ी उड़ान, 28,840 करोड़ मंजूर

100 नए एयरपोर्ट और 200 हेलीपैड के लिए सरकार ने खोला खजाना

नई दिल्ली (ए)। भारत सरकार ने देश के विमानन ढांचे, इमिग्रेशन सिस्टम और वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने कुल 30,640 करोड़ रुपये के की परियोजनाओं और नीतिगत फैसलों को अपनी मंजूरी दे दी है।

इन अहम फैसलों में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने वाली मॉडिफाइड उड़ान योजना और आईवीएफआरटी 3.0% के विस्तार के साथ-साथ पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) से

जुड़ा एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय शामिल है। कैबिनेट की बैठक में सबसे बड़ा वित्तीय आवंटन विमानन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए किया गया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क को और बेहतर बनाने के लिए सरकार ने मॉडिफाइड उड़ान योजना को 28,840 करोड़ रुपये की भारी-भरकम मंजूरी दी है। इस योजना के तहत देश भर में 100 नए हवाई अड्डों और 200 हेलीपैड विकसित करने की योजनाओं के साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

इमिग्रेशन और वीजा सिस्टम का होगा आधुनिकीकरण- कैबिनेट ने विदेशियों के भारत आने, उनके वीजा और रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने इमिग्रेशन, वीजा, फॉरेनर्स रजिस्ट्रेशन एंड ट्रैकिंग (आईवीएफआरटी 3.0) योजना को अगले पांच वर्षों यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है, जिसके लिए 1,800 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

पेरिस समझौते के तहत एनडीसी पर नीतिगत मुहर

वित्तीय मंजूरियों के अलावा, कैबिनेट ने वैश्विक पर्यावरण से जुड़ा एक प्रमुख नीतिगत फैसला भी लिया है। सरकार ने पेरिस समझौते के तहत भारत के नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन को औपचारिक मंजूरी दे दी है। यह फैसला वैश्विक मंच पर भारत की कार्बन उत्सर्जन कम करने की प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट करता है और भविष्य में ग्रीन एनर्जी तथा सतत विकास से जुड़ी कॉर्पोरेट रणनीतियों को एक नई दिशा देगा।

कवर्धा सरस मेला का भव्य आगाज

11.43 करोड़ की सौगात के साथ महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का नया संबल

बेमेतरा। विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के सरदार पटेल मैदान में आयोजित चार दिवसीय संभागीय सरस मेला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला स्व सहायता समूहों को विभिन्न योजनाओं के तहत 11.43 करोड़ रुपए की राशि अंतरित करते हुए उनके आजीविका संवर्धन को मजबूती प्रदान की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरस मेला महिला समूहों को उद्यमिता की पहचान दिलाने का प्रभावी मंच है, जहां उनके द्वारा तैयार किए गए जैविक खाद्य पदार्थ, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और हस्तशिल्प उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। उन्होंने स्टालों का निरीक्षण कर समूह की महिलाओं से संवाद किया और उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में लाखों महिलाएं स्व सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसी दौरान 10 महिला समूहों को आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के तहत टाटा मैजिक वाहन भी प्रदान किए गए, जिससे महिलाएं परिवहन व्यवसाय से जुड़कर अपनी आय बढ़ा सकेंगी। यह पहल खासकर ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में यातायात सुविधा को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की तैयारी भी की जा रही है। यह मेला 23 से 26 मार्च तक आयोजित होगा, जिसमें दुर्ग संभाग के विभिन्न जिलों के महिला समूह भाग ले रहे हैं।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 44 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा। जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ममगाई ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री प्रकाश कुमार भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज बेमेतरा में महिला दिवस सम्मान समारोह

बेमेतरा। नवरात्रि के पावन एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बेमेतरा द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं प्रेरणादायी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में नारी शक्ति के योगदान को सम्मानित करना तथा महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू, विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा बेमेतरा प्रज्ञा निर्वाणी, एवं प्रसिद्ध अधिक्ता भाग्यश्री पोल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। दीप प्रज्ज्वलन के इस पावन क्षण में उपस्थित सभी अतिथियों ने ज्ञान, शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा के प्रसार का संदेश दिया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र की प्रभारी शशि दीदी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता और उत्साह का संचार हुआ तथा कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में हुआ। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की शक्ति और संस्कारों की जननी है। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र सशक्त बनेगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रसार की सराहना करते हुए कहा कि नारी शक्ति ही समाज की असली ताकत है और महिलाओं के बिना किसी भी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा किए जा रहे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि महिलाओं को सम्मान देना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं–चाहे वह शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन या न्याय का क्षेत्र हो। नवरात्रि के इस पावन पर्व में नारी शक्ति की आराधना के साथ इस प्रकार का सम्मान समारोह अत्यंत सार्थक एवं प्रेरणादायी है। महिलाओं का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें हर क्षेत्र में समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने नवरात्रि के पावन अवसर को नारी शक्ति की उपासना का प्रतीक बताते हुए इस आयोजन को अत्यंत सार्थक बताया।

नवरात्रि में आयोजित महिला दिवस सम्मान कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र की प्रभारी शशि दीदी ने अपने भावपूर्ण उद्बोधन में कहा कि नारी केवल एक शरीर नहीं, बल्कि ईश्वर की दिव्य शक्ति का सजीव स्वरूप है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का यह पावन पर्व हमें याद दिलाता है कि हर नारी के भीतर माँ दुर्गा की अपार शक्तियाँ विद्यमान हैं–बस आवश्यकता है उन्हें पहचानने और जागृत करने की। शशि दीदी ने अत्यंत भावुकता के साथ कहा कि जब एक नारी अपने आत्मस्वरूप को पहचान लेती है, अपने भीतर की शांति, प्रेम और शक्ति को अनुभव करती है, तब वह केवल अपने परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के भाग्य को बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि आज की नारी को बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने अंदर की कमजोरियों से जीत हासिल करनी है। जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा बेमेतरा श्रीमती प्रज्ञा निर्वाणी ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एक अत्यंत प्रेरणादायक कविता की पंक्तियों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह में उत्साह का संचार किया। उन्होंने कहा कि आज की नारी को निराशा और सीमाओं से बाहर निकलकर अपनी वास्तविक पहचान को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा ÷तू खुद की खोज में निकल, तू किस लिए हताश है? तू चल, तेरे वजूद की समय को भी तलाश है।

राजा ऐसा हो जहां जनता सुख शांति भय मुक्त जिएं : शास्त्री

बेमेतरा। चैत्र शुक्ल वासंत नवरात्र के पावन पर्व मे ग्राम मजगांव बेमेतरा मे आयोजित कथा प्रसंग में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के अंतर्गत आचार्य पंडित झम्मन शास्त्री जी महाराज ने अपने मुखारविंद से भक्ति मार्ग और गौ माता की सेवा के संबंध में लोगों को कथा सुनाते हुए महत्व बताया। वृंदावन धाम में नंद उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बच्चों ने दही, मक्खन लूट महिला और पुरुषों ने प्रभु के जन्म अवसर पर नाच कर भक्ति रस पाने का प्रयास किया। शास्त्री ने कहा कि राजा ऐसा होना चाहिए जिससे राज्य सुख शांति और भय मुक्त जीवन व्यतीत करें। ऐसे राजाओं को स्वर्ग में जगह मिलता है। लेकिन भारत के अनेक राजाओं ने अपनी कार्यप्रणाली ऐसी रखी है। कि इंद्रदेव को भी अपनी गद्दी उनके लिए समय-समय पर त्यागिन पड़ी आज के राजा सत्ता सीन लोग अपनी गद्दी बचाने तरह-तरह के कार्य कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि यदि लोग गौ माता का संरक्षण नहीं करेंगे। मान कर चलिए गाय की

विलुप्त मानव समाज को निकल जाएगी। जो लोग गौ माता का आदर करते हैं। और उनकी सेवा करते हैं। उनके घर भगवान स्वयं पुत्र बनकर अवतरित होते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण नंद बाबा है। राज धर्म के बारे में बताते हुए महाराज ने कहा कि भक्ति मार्ग और गौ माता की सेवा के संबंध में महत्व बहुत है। आचार्य शास्त्री कथा भाग के पंचम दिवस की कथा सुनाएं कहां की भागवत कथा आयोजन कोई मनोरंजन की वस्तु नहीं है ।यह मोक्ष और ईश्वर प्राप्ति का साधन है। लेकिन आजकल श्रीमद् भागवत जैसे पुण्य ग्रंथ को मनोरंजन का साधन बना दिये है । व्यास पीठ के महत्व नहीं समझ पा रहे है। भागवत श्रद्धा का विषय है। इसे शुद्ध हृदय से सांसारिक बंधनों को छोड़कर सुनना चाहिए उन्होंने आगे कहा कि श्रीमद् भागवत कथा को सुनने और सुनने वाले दोनों को इसके प्रति अटूट आस्था और प्रेम होना चाहिए। तभी आयोजन की सार्थकता है। व्यास जी कथा वाचक ने कहा कि हमें प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने की आवश्यकता है एवं सप्ताह में एक दिन सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ हो कथा के बीच मे वृंदावन धाम मे नन्द उत्सव भी धूमधाम से मनायागया इस मौके पर बच्चो ने दही मक्खन लूटकर भगवान श्रीकृष्ण का जन्म उत्सव मनाया पंजीरी, पंचामृत ,माखन मिश्री,का प्रसाद बाटी गई उत्सव के पश्चात भगवान की महा आरती की गई।

बकाया कर जमा नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

31 मार्च के बाद 17% अधिभार के साथ होगी वसूली

बेमेतरा। वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण में नगर निगम दुर्ग द्वारा संपत्तिकर एवं अन्य करों की वसूली को लेकर सख्ती बरतने की तैयारी शुरू कर दी गई है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लंबे समय से कर राशि जमा नहीं करने वाले करदाताओं के विरुद्ध अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि वे 31 मार्च से पहले अपने सभी बकाया करों का भुगतान कर दें, ताकि किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि निर्धारित तिथि के बाद बकाया करों की वसूली 17 प्रतिशत अधिभार के साथ की जाएगी। करदाताओं की सुविधा को

ध्यान में रखते हुए नगर निगम परिसर स्थित टैक्स काउंटर एवं सभी जोन कार्यालयों के काउंटर 31 मार्च तक शनिवार और रविवार को भी सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। इसके साथ ही निगम द्वारा ऑनलाइन संपत्तिकर भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे नागरिक घर बैठे आसानी से अपना कर जमा कर सकते हैं।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक

बेमेतरा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने आज महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला स्वास्थ्य समिति की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। यह बैठक पहले जारी निर्देशों की प्रगति की समीक्षा तथा जमीनी स्तर पर कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का विस्तृत आंकड़ों के साथ विश्लेषण किया गया। बैठक में कलेक्टर ने आधार आधारित उपस्थिति, गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन, समय पर जांच और संस्थागत प्रसव को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गर्भवती महिलाओं का प्रारंभिक पंजीयन समय पर होना चाहिए और उनकी सभी निर्धारित जांच पूरी कराई

जाए। साथ ही हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी के मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करने और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में दर्ज गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और कुपोषित बच्चों की जानकारी का रिकॉर्ड स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलान किया जाए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। साथ ही सुपोषण अभियान, पोषण पुनर्वास, टीकाकरण सत्रों की नियमितता और संयुक्त फील्ड विजिट को भी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।मलेरिया, टीबी, कुष्ठ, एनसीडी और एचआईवी जांच की भी समीक्षा-बैठक में मलेरिया, कुष्ठ, टीबी, टीकाकरण, एनसीडी (नॉन कम्युनिकेबल डिजीज), एचआईवी जांच सहित अन्य प्रमुख स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए और हर विकासखंड स्तर पर सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता, पर्याप्त भंडारण और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। लापरवाही पर कार्रवाई की दी चेतावनी- कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या लक्ष्य पूर्ति में शिथिलता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों (बीएमओ) को निर्देशित किया कि वे विकासखंडवार प्रगति की नियमित समीक्षा करें और जमीनी स्तर पर कार्यों की मॉनिटरिंग बढ़ाएं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने पर जोर- बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण पुनर्वास, सुपोषण अभियान, हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की ट्रैकिंग, टीकाकरण और आंगनबाड़ी-स्वास्थ्य अमले के संयुक्त कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग का बेहतर समन्वय ही मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर, सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, सभी जिला नोडल अधिकारी, सभी बीएमओ, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी तथा संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने अंत में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और जिले को स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में मॉडल जिला बनाने की दिशा में कार्य किया जाए।

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ

बेमेतरा। विश्व क्षयरोग (टीबी) दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय एमसीएच बेमेतरा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में क्षयरोग (टीबी) के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला नगर अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं वार्ड पार्षद की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर टीबी रोग के लक्षण, बचाव के उपाय, समय पर जांच और नियमित उपचार के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही टीबी के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने और मरीजों को समय पर इलाज के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का

शुभारंभ जिला नगर अध्यक्ष विजय सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से टीबी मरीजों की पहचान, समय पर जांच, उपचार और फॉलोअप पर विशेष जोर दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सरकार का लक्ष्य देश को टीबी मुक्त बनाने का है और इसके लिए जनसहभागिता बेहद आवश्यक है। इस अवसर पर शहरी एवं ग्रामीण मितानिन, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़े सभी कर्मचारी तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए सामूहिक रूप से शपथ भी ली और लोगों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की। इस वर्ष विश्व क्षयरोग (टीबी) दिवस की थीम हाँ! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैंः देश के नेतृत्व में, लोगों द्वारा संचालित रखी गई है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को लगातार खांसी, वजन कम होना, बुखार या कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच कराएं और समय पर उपचार लेकर टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दें।

सुशासन की नई पहल से अब गांवों में ही होगा समस्याओं का निदान

बेमेतरा। ग्रामीण प्रशासन को अधिक जनोन्मुख, पारदर्शी और संवेदनशील बनाने के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस पहल के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में 'ग्रामीण सचिवालय' और जनपद पंचायत स्तर पर 'खण्ड सचिवालय' की स्थापना की जा रही है, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सके। यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्ष 2004 में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप पुनः प्रभावी की गई है। ग्रामीण स्तर पर आयोजित होने वाले ग्रामीण सचिवालय के लिए सप्ताह के विभिन्न दिन जैसे सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार निर्धारित किए गए हैं। इन सचिवालयों में 11 महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है, जिनमें ग्राम पंचायत सचिव, पटवारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, लाइनमेन, पंप मैकेनिक, सहकारिता समिति सेवक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, प्रधान पाठक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक शामिल हैं। इसी क्रम में जनपद स्तर पर खण्ड सचिवालय की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। जनपद पंचायत दुर्ग में खण्ड सचिवालय का आयोजन प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को जनपद पंचायत भवन दुर्ग में किया जाएगा। जनपद पंचायत धमधा के लिए प्रत्येक माह का प्रथम एवं तृतीय सोमवार निर्धारित किया गया है और इसका आयोजन जनपद पंचायत भवन धमधा में होगा। वहीं, जनपद पंचायत पाटन में यह आयोजन माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को जनपद पंचायत भवन पाटन में संपन्न होगा।

संक्षिप्त समाचार

सोलर लाइट पोल लगाने के नाम पर वकील से 1.33 करोड़ हड़पे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोलर लाइट पोल लगाने के नाम पर एक वकील से करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने निवेश के नाम पर करीब 1 करोड़ 33 लाख 64 हजार रुपये हड़प लिए। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पूरा मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, रायपुर के चौबे कॉलोनी निवासी अधिवक्ता विनीत तिवारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके जूनियर वकील के जरिए उनकी पहचान कुछ लोगों से हुई थी, जिन्होंने खुद को सोलर प्रोजेक्ट से जुड़ा बताया। आरोप है कि भावेश जैन, ऋशुप्रण वैष्णव और संतोष कर्ण ने मिलकर सोलर पैनल और लाइट पोल लगाने के नाम पर उनसे बड़ी रकम निवेश के तौर पर ली। बाद में जब वकील ने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उन्हें रकम का चेक दिया, जो बैंक में जमा करने पर बाउंस हो गया। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद आरोपियों ने संपर्क करना भी बंद कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संतोष कर्ण, गोपाल वैष्णव सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच जारी है।

मेकाहारा अस्पताल से सजायाफ्ता कैदी फरार, हथकड़ी समेत भागा आरोपी

रायपुर। राजधानी रायपुर के मेकाहारा अस्पताल से एक सजायाफ्ता कैदी के फरार होने का मामला सामने आया है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोपी इलाज के दौरान जेल प्रहरियों को चकमा देकर हथकड़ी समेत फरार हो गया। फरार कैदी की पहचान साहेब कुमार ताती के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। वह हत्या के प्रयास के मामले में सजा काट रहा था और पिछले तीन वर्षों से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद था। जानकारी के अनुसार, कैदी को इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल लाया गया था। इसी दौरान उसने मौके का फायदा उठाया और सुरक्षा में तैनात जवानों को चकमा देकर फरार हो गया। मौदहापारा थाना प्रभारी मुकेश शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम सक्रिय कर दी गई है और आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच की जा रही है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब जेल से जुड़े कैदी फरार हुए हैं। इससे पहले भी सुरक्षा में चूक के चलते इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

नेशनल हाईवे के बीच में कार खड़ी कर शराब पार्टी युवक गिरफ्तार

रायपुर। सकरी थाना क्षेत्र में देर रात नेशनल हाईवे पर बीच सड़क कार खड़ी कर शराब पार्टी करना युवाओं को महंगा पड़ गया। पुलिस ने मौके से 3 युवक और 1 युवती को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 22 मार्च की रात करीब 11:50 बजे सम्बलपुरी ओवरब्रिज पर काले रंग की कार बीच सड़क खड़ी कर जाम लगाया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार में सवार युवाओं को शराब पीते हुए पकड़ा। जांच में वाहन से केक और खाने-पीने का सामान भी बरामद हुआ, पूछताछ में जन्मदिन पार्टी मनाने की बात सामने आई। एल्कोमीटर जांच में सभी के शराब सेवन की पुष्टि हुई।

उपमुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

नगर पंचायत बोड़ला को 6 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला को विकास की नई दिशा देते हुए 6 करोड़ रुपए से अधिक से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की बड़ी सौगात दी। स्थानीय हॉकी खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन पहुंचकर कार्यों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों को सुविधाओं से सुसज्जित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से किए जा रहे ये कार्य क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि यह सौगात बोड़ला के आने वाले वर्षों को विकास की दिशा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, नगर पंचायत बोड़ला के अध्यक्ष श्री विजय पाटिल, श्री नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष नगर पंचायत श्री लव निर्मलकर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, श्री नन्द श्रीवास, श्री मोहन धुर्वे, श्री राम किंकर वर्मा, श्री एम. डी. ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बोड़ला नगर में अब बांध से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जहां पानी फिल्टर प्लांट के माध्यम से शुद्ध होकर घर-घर तक पहुंचेगा। उन्होंने इसे नगरवासियों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग की पूर्ति बताया और कहा कि ग्रेविटी आधारित यह जल व्यवस्था न केवल सुविधाजनक है, बल्कि टिकाऊ और प्रभावी भी है। पेयजल की

बेहतर व्यवस्था और नगर को उन्नत बनाना शासन की प्राथमिकता है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में कभी नक्सली जंगलों में बंदूक लेकर घूमते थे, लेकिन अब नक्सल पुनर्वास नीति के तहत वे मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग पहले हिंसा के रास्ते पर थे, वे आज लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने के लिए विधानसभा तक पहुंच रहे हैं और वहां की कार्यवाही देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की घोषणा और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने के संकल्प को प्रदेश में मजबूती से लागू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस दिशा में कार्य करने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी है। उन्होंने बताया कि अब तक 600 से अधिक पुनर्वासित नक्सली विधानसभा का भ्रमण कर चुके हैं और लोकतंत्र की प्रक्रिया को करीब से समझ रहे हैं, जबकि ढाई हजार से अधिक नक्सली पुनर्वास योजना के तहत मुख्यधारा में लौट चुके हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली बार बाहरी व्यक्ति की पहचान के लिए सुनियोजित प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत प्रत्येक जिले में टास्क फोर्स का गठन किया गया और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया। उन्होंने बताया कि प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बाहरी व्यक्ति का चिन्हांकन कर उनकी पहचान सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला में 512.56 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इनमें वार्ड क्रमांक 02 में 146.83 लाख रुपए की लागत से उन्नत (हॉकी) खेल मैदान निर्माण प्रमुख है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 10 में विवेकानंद तालाब से निकासी नाला तक 48.95 लाख रुपए की आर.सी.सी. नाली एवं कांस कल्वर्ट निर्माण, 28.53 लाख रुपए की लागत से शौचालय निर्माण, 6.00 लाख रुपए से सामुदायिक भवन के पास प्रवेश द्वार निर्माण तथा 18.20 लाख रुपए से सामुदायिक भवन का अतिरिक्त निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य शामिल हैं। इसी क्रम में 97.42 लाख रुपए से राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्ग मंदिर से स्टेडियम तक सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण, 13.80 लाख रुपए से ओवरहेड टैंक निर्माण, 4.62 लाख रुपए से शेड निर्माण, 8.90 लाख रुपए से पेवर ब्लॉक (फुटपाथ) निर्माण, 6.40 लाख रुपए से विवेकानंद तालाब के पास हॉल निर्माण, 9.27 लाख रुपए से हाई मास्ट लाइट स्थापना, 72.74 लाख रुपए से एन.एच.-30 पुलिया से विवेकानंद सरोवर तक नाली एवं रोड चौड़ीकरण, 46.90 लाख रुपए से बाउंड्रीवाल निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 06 में 4.00 लाख रुपए से चौक निर्माण कार्य शामिल हैं।

तेंदुआ खाल तस्करी मामले में 9 आरोपी गिरफ्तार किए

रायपुर। राज्य में वन्यजीव संरक्षण के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। 19 मार्च 2026 को केशकाल वनमंडल और राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल की संयुक्त कार्रवाई में तेंदुए की खाल की तस्करी में शामिल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।यह कार्रवाई वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में की गई।जानकारी के अनुसार, वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और एक कर्मचारी को खरीदार बनाकर तस्करों से संपर्क कराया। जैसे ही आरोपी मोटरसाइकिल और एक अन्य वाहन में तेंदुए की खाल लेकर रसगांव-बड़ेडोंगर मार्ग स्थित ग्राम बैलगांव पहुंचे, टीम ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया। मौके से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तेंदुए का शिकार करीब 7 महीने पहले अवैध हथियार (भरमार बंदूक) से किया गया था। उनकी निशानदेही पर मुख्य आरोपी को अगले दिन नारायणपुर जिले के ग्राम बोरावण्ड से गिरफ्तार किया गया। साथ ही शिकार में प्रयुक्त बंदूक भी जब्त की गई है।बरामद तेंदुए की खाल की लंबाई 195 सेंटी मीटर और चौड़ाई 45 सेंटी मीटर पाई गई है। वनमंडलाधिकारी दिव्या गौतम के निर्देशन में सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 (संशोधित 2022) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर जिलों के निवासी बताए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का निर्णय ऐतिहासिक-चिमनानी

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने कोरोना काल और अन्य आर्थिक चुनौतियों के कारण बिजली बिल का भुगतान न कर पाने वाले निम्न व मध्यमवर्गीय परिवारों के हित में 'मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026' का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस निर्णय से 28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। जिस भी उपभोक्ता का 31 मार्च 2023 तक का कोई भुगतान लंबित है वह इस योजना का लाभ लेने पात्र होंगे । चिमनानी ने शुक्रवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का डेमो प्रेजेंटेशन से विस्तृत ब्यौरा साझा किया।

चिमनानी ने बताया कि 12 मार्च को योजना के शुरू होते ही शुरुआती कुछ ही घण्टों के भीतर प्रदेशभर में लगभग 5 हजार उपभोक्ता इस योजना की प्रक्रिया से जुड़ गए। यह योजना 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी। सरकार इस योजना के माध्यम से 758 करोड़ रुपए की छूट उपभोक्ताओं को देने जा रही है। यह कदम उन उपभोक्ताओं के लिए संजीवनी साबित होगा जो केवल बढ़ते अधिभार की वजह से अपना बिल नहीं भर पा रहे थे। चिमनानी ने भुगतान के लिए आसान किश्तों की सुविधा का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना सिर्फ नाम के लिए नहीं लाई गई है, बल्कि बकाया राशि की वसूली को सरल बनाने के लिए सरकार ने जो अभूतपूर्व व्यवस्था की है, उससे संबंधित बिजली उपभोक्ता लाभ लेने प्रेरित होंगे। इसके तहत 1 लाख रुपये से अधिक की राशि पर अधिकतम 60 किश्तें, 20 हजार से 1 लाख रुपये तक अधिकतम 50 किश्तें, 20 हजार से कम की राशि पर अधिकतम 40 किश्तें तय की गई हैं।मूल राशि में 75 प्रतिशत तक छूट ,सरचार्ज पूरा माफश्री चिमनानी ने कहा इस योजना में बीपीएल परिवारों को मूल राशि में अधिकतम 75 प्रतिशत एवं एपील परिवारों को 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

आर्थिक,सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण आवश्यक

- पिछड़ा वर्ग के सामाजिक विसंगतियों को दूर करना-छ.ग.पि. वर्ग आयोग अध्यक्ष निषाद

रायपुर/ संवाददाता

मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण अत्यंत आवश्यक है, जिसे सांख्यिकीय विभाग को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पंचायत स्तर पर प्रतिवर्ष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा देशभर के पिछड़ा वर्ग आयोगों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर साझा मुद्दों और प्रस्तावों पर चर्चा की जाए। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सभागार में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया मुख्य अतिथि के रूप में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आयोग के कार्यों की समीक्षा की तथा विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिए। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू राम निषाद ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल विभिन्न जातियों की सामाजिक स्थिति, ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में विविध रूप में देखने को मिलती है। उन्होंने सामाजिक विसंगतियों को दूर करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष श्री आर.एस. विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती चंद्रकांति वर्मा, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत लाल मटियारा, उपाध्यक्ष डॉ. लखन धीवर, रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव द्वारा पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुतीकरण के माध्यम से छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग के हितों के संरक्षण और संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने आयोग की संरचना, शक्तियों तथा प्राप्त शिकायतों एवं जाति समावेशन से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए समन्वित प्रयासों पर बल दिया।

ओड़िशा की तरह छग के किसानों से 3100 रु. में रबी धान खरीदे सरकार

- ओड़िशा में रबी धान की खरीदी 3100 रु. में करने किसानों का पंजीयन किया जा रहा
- छग के सीएम विष्णुदेव साय ने की थी 3100 रु. में रबी धान खरीदी की घोषणा

रायपुर। एक तरफछत्तीसगढ़ में किसानों को धान फसल के लिए हतोत्साहित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर ओड़िशा में किसानों से खरीफके साथ-साथ रबी धान की खरीदी भी 3100 रु. प्रति क्विंटल की दर पर की जा रही है। छत्तीसगढ़ में खरीफधान की खरीदी में भी भाजपा की सरकार ने तरह-तरह की बाधाएं उत्पन्न कर किसानों को परेशान किया। एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन नहीं होने तथा टोकन नहीं कटने से किसान धान बेचने भटकते रहे। वहीं, दूसरी ओर धान उपार्जन केंद्रों में व्याप्त अव्यवस्थाओं, बार दाना संकट, उठाव नहीं होने से धान जाम की स्थिति के चलते धान खरीदी बंद होने जैसे अनेक बाधाएं सामने आई। जिसके परिणाम स्वरूप खरीफ सीजन में पूरे प्रदेश सहित महासमुंद जिले के लगभग 11 हजार पंजीकृत किसान धान बेचने से वंचित हो गए। वर्तमान रबी सीजन में धान फसल लेने वाले किसानों को खाद संकट, बिजली कटौती, लो वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ रहा है। उक्त वक्तव्य पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने भाजपा द्वारा ओड़िशा के किसानों से रबी फसल की खरीदी 3100 रु. में करने की तैयारी पर व्यक्त किए।पूर्व संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि रबी धान की खरीदी के लिए ओड़िशा मेंं वगत 10 मार्च से किसानों का पंजीयन हो रहा है।

बस स्टैंड से 10 किलो गांजा जब्त,2 गिरफ्तार

रायपुर। बस का इंतजार कर रहे दो संदिग्धों को शायद अंदाजा भी नहीं था कि अगला पल उनकी गिरफ्तारी का होगा। बोधघाट पुलिस ने सटीक मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये के गांजे के साथ दोनों आरोपियों को दबोच लिया, जिससे नशे के नेटवर्क पर एक बड़ा वार हुआ है। बस्तर जिले के जगदलपुर में थाना बोधघाट पुलिस ने नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। नया बस स्टैंड के पीछे घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो अवैध गांजा लेकर बस के जरिए उसे सप्लाई करने की फिराक में थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 10.36 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 5 लाख 18 हजार रुपये बताई जा रही है। 23 मार्च को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति नीले पिट्ठू बैग में गांजा लेकर बस स्टैंड के पीछे खड़े हैं और परिवहन की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम मोहम्मद नासिर (40), निवासी दिल्ली और मुकेश कुमार (26), निवासी जोधपुर राजस्थान बताया। तलाशी के दौरान बैग में सेलो टेप से पैक तीन पैकेट में कुल 10.36 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपियों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला, जिसके बाद उनके खिलाफ धारा 20 बी के तहत मामला दर्ज किया गया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स पहला दिन

कर्नाटक के धनीश एन,ओडिशा की अंजलि मुंडा ने जीते पहले स्वर्ण

- बुधवार को तैराकी में कर्नाटक ने जीते छह में से पांच स्वर्ण पदक
- कर्नाटक के मणिकांत एल और मेघांजलि ने जीते दो-दो स्वर्ण
- मेजबान छत्तीसगढ़ ने उद्घाटन दिन जीता एक रजत और एक कांस्य

रायपुर/ संवाददाता

कर्नाटक के धनीश एन और ओडिशा की अंजलि मुंडा ने बुधवार को यहां इंटरनेशनल स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में पुरुष और महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के पहले दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। स्विमिंग में पहले दिन कर्नाटक का दबदबा रहा, जहां उसने छह में से पांच स्वर्ण पदक जीते। वहीं मेजबान छत्तीसगढ़ ने भी महिला और पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान की शुरुआत की। इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भाग ले रहे हैं, जिसमें करीब 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती सहित कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे, जबकि मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है। पहले दिन के बाद कर्नाटक सात पदकों (पांच स्वर्ण सहित) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। ओडिशा चार पदकों (एक स्वर्ण) के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि मेजबान छत्तीसगढ़ दो पदकों के साथ चौथे स्थान पर है। पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में धनीश ने 2:03.55 सेकंड का समय निकालकर अपने ही राज्य के कीर्तन शरथ (2:10.99 सेकंड) को लगभग सात सेकंड से पीछे छोड़ा। महाराष्ट्र के भक्तिश कुमरे (2:14.73 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। धनीश ने कहा, यह मेरा पहला खेलो इंडिया गेम्स है और इन खेलों का पहला स्वर्ण जीतना मेरे लिए बेहद

खास है। मुझे लगता है कि मैं इससे बेहतर समय निकाल सकता था, लेकिन मैं खुश हूं। महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल में ओडिशा ने स्वर्ण और कांस्य जीता। अंजलि मुंडा ने 2:39.02 सेकंड का समय निकालकर बेहद करीबी मुकाबले में कर्नाटक की निधि एस (2:39.09 सेकंड) को पछाड़ा। ओडिशा की श्रिया पडियामी (2:49.04 सेकंड) तीसरे स्थान पर रहीं। इसके बाद कर्नाटक ने बाकी स्पर्धाओं में दबदबा कायम रखा, जहां मणिकांत एल और मेघांजलि ने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में दो-दो स्वर्ण पदक जीते। मणिकांत ने पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 1:07.41 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। महाराष्ट्र के पलाश ठाकुर (1:11.69 सेकंड) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि छत्तीसगढ़ के निखिल झालको (1:11.77 सेकंड) ने कांस्य पदक जीतकर मेजबान राज्य का खाता खोला। मणिकांत ने इसके बाद 50 मीटर बटरफ्लाई में भी 27.06 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। असम के फिरमिनो एमोन लालुंग (27.69 सेकंड) और त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा (28.48 सेकंड) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग में मेहानजलि का भी शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 1:25.81 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीता, जबकि छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत (1:29.10 सेकंड) ने रजत पदक हासिल किया। इसके बाद मेघांजलि ने 50 मीटर बटरफ्लाई में 34.67 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया। त्रिपुरा की तिलुत्तम जमातिया (34.85 सेकंड) और ओडिशा की रितिका मिन्ज (35.54 सेकंड) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

संपादकीय

युद्ध के उन्माद में क्या वैश्विक नियमों का वजूद खत्म हो गया

आज जब पूरे विश्व को प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ना था, तब कई देश युद्ध के उन्माद में इस कदर डूबे हुए हैं कि मानवीयता तार-तार हो रही है। सैन्य संघर्ष लगातार बढ़ते जाने से शांति कायम होने की उम्मीदें धूमिल पड़ रही हैं। हमलों का जख्म इतना गहरा है कि उसकी कीमत प्रायः निर्दोष लोग चुका रहे हैं, जिनका युद्ध से कोई वास्ता नहीं।सबसे दुखद यह कि कई बड़े और यहां तक कि छोटे देश भी युद्ध संबंधी अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों को मानने के लिए तैयार नहीं। पूरी दुनिया ने गाजा से लेकर यूक्रेन और तेहरान तक यह देखा है कि किस तरह उन ठिकानों पर भी हमले किए गए, जो नियम के विरुद्ध था।पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे सैन्य टकराव के बीच सोमवार रात जो दृश्य सामने आया, उससे साबित हो गया कि मानवीय संवेदनाओं के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया गया है। यह बेहद दुखद है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पाकिस्तानी हवाई हमले में एक अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिससे चार सौ बेकसूर लोगों की मौत हो गई।भारत ने इस मामले में उचित ही सवाल उठाया है कि रमजान के पवित्र माह में इस हवाई बमबारी को किस तरह से देखा जाए। युद्ध के दौरान गैरजरूरी हिंसा रोकने और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए बनाए गए नियमों में स्पष्ट कहा गया है कि जंग के दौरान आम नागरिकों, स्कूल-अस्पताल और शरण लेने वाली जगहों को निशाना नहीं बनाया जाएगा।कोई देश रिहाइशी इलाकों, अस्पतालों, विद्यालयों और राहत केंद्रों पर हमला करता है, तो यह युद्ध अपराध है। मगर मानवीय तकाजे के बावजूद नियमों को ताक पर रख कर हमले किए जा रहे हैं, तो इसका मकसद क्या है? आज युद्ध की भयावह तस्वीरें हमारे पड़ोस से लेकर पूरे मध्य-पूर्व में दिखाई दे रही हैं। सैन्य हमलों में लोग बेघर हो रहे हैं। वे शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए मजबूर हैं।बिजली-पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में उनका जीवन बदतर हो गया है। हवाई बमबारी में विद्यालयों और अस्पतालों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मासूम बच्चे और निर्दोष नागरिक मारे जा रहे हैं, तो इसे रोकने की जिम्मेदारी किसकी है?

ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान ने जहाजों की आवाजाही का सबसे अहम होर्मुज जलमार्ग को बंद कर दिया है। इस मार्ग से बीस फीसद से अधिक वैश्विक कच्चे तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति होती है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब चालीस फीसद कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए चिंता का कारण बन गया है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 फीसद से अधिक आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी चिंता बढ़ा रही है। युद्ध लंबा चलने पर इसकी कीमत बेतहाशा बढ़ सकती है। इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और वहीं भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती बढ़ती दिखाई देगी।

ईरान-इजरायल टकराव का अमेरिका पर असर

पेंटागन का रोजाना युद्ध खर्च दो अरब डॉलर पार

(जयंतीलाल भंडारी)

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। जहां दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर घटने के संकेत मिल रहे हैं, वहीं विभिन्न देशों में शेयर बाजार गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। ईरान के साथ युद्ध शुरू करने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे आक्रामक कदम के रूप में पेश किया था। अब इस युद्ध ने कुछ और ही रूप ले लिया है। यह सोचा नहीं गया था कि इससे वैश्विक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को ऐसा झटका लगेगा, जो पश्चिम एशिया में अन्य संघर्षों से कहीं अधिक गंभीर होगा। इस युद्ध ने यात्रा के तौर-तरीकों, ऊर्जा पर निर्भरता, जीवनयापन की लागत, व्यापार मार्गों और रणनीतिक साझेदारियों को बदल दिया है।

गौरतलब है कि अन्य कई क्षेत्रीय संघर्षों से आमतौर पर अछूते रहने वाले देशों को अमेरिकी सैन्य अड्डों के कारण भी ईरान की जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रहे सैन्य टकराव ने बेहद कम समय में ही अमेरिकी खजाने पर बोझ डालना शुरू कर दिया है। अब पेंटागन का रोजाना युद्ध खर्च औसतन दो अरब डालर तक पहुंच चुका है। हर दिन अमेरिकी सैन्य अभियान पर अरबों डालर खर्च हो रहे हैं। इस संघर्ष ने केवल अमेरिकी बजट पर ही प्रभाव नहीं डाला, बल्कि कई महंगे सैन्य उपकरणों का नुकसान भी हुआ है। अगर यह युद्ध लंबा चला, तो इसके प्रभाव और भी गंभीर हो सकते हैं। कच्चे तेल संकट के कारण मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी के जोखिम की आशंका है। इससे विकास रुक सकता है।

गौरतलब है कि ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान ने जहाजों की आवाजाही का सबसे अहम होर्मुज जलमार्ग को बंद कर दिया है। इस मार्ग से बीस फीसद से अधिक वैश्विक कच्चे तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति होती है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब चालीस फीसद कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए चिंता का कारण बन गया है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 फीसद से अधिक आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी चिंता बढ़ा रही है। युद्ध लंबा चलने पर इसकी कीमत बेतहाशा बढ़ सकती है। इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और वहीं भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती बढ़ती दिखाई देगी। हालांकि विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद ईरान ने भारतीय झंडे वाले तेल टैंकरों को होर्मुज जलमार्ग से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है।

इस युद्ध से सीधे तौर पर जुड़े अमेरिका, इजरायल और ईरान सहित युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देश भी भारत के लिए निर्यात के प्रमुख बाजार हैं। ऐसे में निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिम एशिया जाने वाला माल भारत के घरेलू बंदरगाहों पर जमा होने लगा है। जहाजों की सुरक्षा को देखते नए निर्यात आदेश नहीं लिए जा हैं। ऐसी स्थिति में खासतौर से पश्चिम एशिया के देशों में निर्यात घटने की आशंका है। भारत ने इस वित्तीय वर्ष 2025- 26 में अप्रैल से दिसंबर की अवधि में पश्चिम एशिया के 13 देशों को करीब 50 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया, जो भारत के कुल निर्यात का करीब 15 फीसद है। विभिन्न देशों में भारत से खाद्य उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, दवाएं, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबड़ जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजंसी फिच की इकाई बीएमआइ ने एक रपट में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, माल ढुलाई महंगी होने और आपूर्ति श्रृंखला टूटने जैसे चिंताजनक हालात से भारत के निर्यात और निवेश पर असर पड़ेगा। रपट में यह भी कहा गया है कि यदि कच्चे तेल की कीमतों में दस फीसद की वृद्धि होती है, तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 0.3 से 0.6 फीसद की कमी आ सकती है और इससे निर्यात मोर्चे पर भारत की चुनौतियां बढ़ जाएंगी।

सरकार और निर्यातकों की चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इस बीच सरकार नागरिकों, निर्यातकों और अन्य प्रभावित वर्गों की मुश्किलों को कम करने के मद्देनजर रणनीतिक रूप से कदम उठा रही है। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करने का भी फैसला किया गया है। इस अधिनियम के लागू होने के बाद देश की सभी रिफाइनरियों और पेट्रो केमिकल इकाइयों को अपने अन्य उत्पादों की तुलना में एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देनी होगी। मगर सरकारी तंत्र को सतर्क रहना होगा, ताकि गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी न होने पाए। सरकार ने युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर सरकारी मंत्रालयों, निर्यातकों और जहाज कंपनियों के प्रतिनिधियों की विशेष बैठक में विचार मंथन के बाद बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क सहित निर्यातकों को हरसंभव सहयोग दिया जाना सुनिश्चित किया है।

इसमें दो मत नहीं कि भारत को द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का पूरा लाभ लेते हुए निर्यात को हरसंभव तरीके से बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। निर्यात बढ़ाने के लिए भारत के व्यापार समझौते अहम भूमिका निभा सकते हैं। हाल के महीनों में जिन देशों के साथ समझौते किए गए हैं, उन्हें क्रियान्वयन की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाना होगा। मगर ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में निर्यात बढ़ाने के लिए चिह्नित किए गए करीब दो सौ देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। वहीं निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, वरन निर्यात पर लगाए गए डंपिंग-रोधी शुल्क भी अड़चन हैं। अब घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। इसके लिए देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाना जरूरी है।

उम्मीद करें कि सरकार ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध की वजह से निर्यात चुनौतियों से निपटने और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विभिन्न देशों के साथ भारत के व्यापार

ईरान वार पर वार किये जा रहा है मगर खाड़ी देश पलटवार की हिम्मत तक नहीं दिखा पा रहे

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया।

तेल, गैस और बारूद की गंध अब एक साथ हवा में तैर रही है। पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है।

देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है।

तेल बाजार में हाहाकार मच गया। कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है।

इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अजीब-सा दोहरा रुख अपनाया। एक तरफ उन्होंने कहा कि अमेरिका का इस हमले से कोई लेना देना नहीं, दूसरी तरफ ईरान को खुली चेतावनी दे डाली कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। यहीं से कहानी और पेचीदा हो जाती है। अब तक अमेरिका और इजराइल एक ही पाले में नजर आते थे, लेकिन अब दोनों के मकसद अलग अलग दिखने लगे हैं। ट्रंप एक कारोबारी की तरह सोचते हैं, वह ईरान पर दबाव बनाकर उसे अपने हिसाब से झुकाना चाहते हैं। लेकिन इजराइल की मंशा इससे कहीं आगे है, वह ईरानी शासन को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। यह दरार अब अमेरिका के भीतर भी दिखने लगी है। ट्रंप के अपने समर्थक सवाल कर रहे हैं कि क्या अमेरिका किसी और की लड़ाई में उलझता जा रहा है।

दूसरी तरफ ईरान ने भी साफ कर दिया है कि अब वह पीछे हटने वाला नहीं है। उसके विदेश मंत्री ने खुले शब्दों में कहा है कि अगर दोबारा उसके ऊर्जा ढांचे पर हमला हुआ तो वह बिना किसी संयम के पूरी ताकत से जवाब देगा। हम आपको बता दें कि ईरान ने सिर्फ कतर ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन तक को अपने निशाने पर ले लिया है। मिसाइलें और ड्रोन अब पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं। हर हमला यह संकेत दे रहा है कि जंग अब फैल चुकी है और इसे रोकना आसान नहीं होगा।

खाड़ी देशों की स्थिति सबसे ज्यादा नाजुक हो गई है। एक तरफ वह ईरान की कार्रवाई से नाराज हैं, दूसरी तरफ उन्हें डर है कि अगर वह सीधे युद्ध में उतर गए तो अमेरिका कभी भी पीछे हट सकता है और वह अकेले पड़ जाएंगे। हालांकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि जरूरत पड़ी तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर, कतर ने ईरानी अधिकारियों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। लेकिन इन सबके बीच एक अनकहा डर साफ दिखता है, यानि कोई भी देश पूरी तरह इस आग में कूदने को तैयार नहीं है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा।

खून, खामोशी और खतरनाक मंसूबों का खेल

हजारों घर ज़मीन में मिल चुके हैं, जिन चौखटों पर कभी दुआएं सजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। बड़ी-बड़ी हस्तियां बेमौत मार दी गईं। लारिजानी, सुलेमानी और कहते हैं कि खामनेई सहित 56 शीर्ष नेता और कमांडर भी इस खामोश कत्लेआम की सूची में जोड़ दिए गए। यह दरअसल मौतों का सिलसिला भर नहीं, बल्कि एक सभ्यता के आत्मविश्वास पर हुआ गहरा आघात है। मोसाद की आंखें ईरान की दीवारों के भीतर तक उतर गई हैं। उसकी 'डीप पेनिट्रेशन स्ट्रेटेजी' ने ईरान की दीवारों को ही नहीं, उसकी व्यवस्था की जड़ों को भी हिला दिया।

(प्रणय विक्रम सिंह)

कहते हैं कि धर्म दिलों को जोड़ता है पर आज देखिए धर्म की धरती ही धधक रही है। रमज़ान का महीना था, वो महीना, जिसमें रोज़े रखे जाते हैं, दुआएं मांगी जाती हैं, इफ़्तार की थालियों में उम्मीद सजती हैं लेकिन आज उसी वक़्त ईरान और उससे जुड़े 22 मुल्कों की फिज़ा में दुआ नहीं, धुआं उठ रहा है।

न कोई रोज़ा दिख रहा है, न इफ़्तार की रौनक, न सहरी की सादगी बस बारूद की बदबू है। और आसमान पर लाल रंग के सिवा कोई रंग नहीं।

हजारों घर ज़मीन में मिल चुके हैं, जिन चौखटों पर कभी दुआएं सजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। बड़ी-बड़ी हस्तियां बेमौत मार दी गईं। लारिजानी, सुलेमानी और कहते हैं कि खामनेई सहित 56 शीर्ष नेता और कमांडर भी इस खामोश कत्लेआम की सूची में जोड़ दिए गए। यह दरअसल मौतों का सिलसिला भर नहीं, बल्कि एक सभ्यता के आत्मविश्वास पर हुआ गहरा आघात है।

मोसाद की आंखें ईरान की दीवारों के भीतर तक उतर गई हैं। उसकी 'डीप पेनिट्रेशन स्ट्रेटेजी' ने ईरान की दीवारों को ही नहीं, उसकी व्यवस्था की जड़ों को भी हिला दिया। इंटेलिजेंस वॉरफेयर, इनसाइड नेटवर्क और टार्गेटेड एलिमिनेशन इन तीनों के त्रिकोण ने मिलकर यह साबित किया कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं, सिस्टम के भीतर लड़े जाते हैं। अपने ही घर के लोग अपने ही आसमान को निशाना बनवाने लगे, यह केवल जासूसी नहीं, बल्कि 'ट्रस्ट का टोटल ब्रेकडाउन' है।

अजीब वक्त है न कोई मज़हब बचाने आया, न कोई खुदा उतर कर पूछ रहा है कि कैसे हो मेरे बंदो? और जो 22 इस्लामिक मुल्क हैं वो भी जैसे खामोशी की चादर ओढ़े बैठे हैं। यहां तक कि जो गाज़ा पर सड़कों को जाम कर देते थे, वे आज ईद की खरीदारी में मशगूल हैं जैसे संवेदना भी अब 'सेलेक्टिव रिस्पॉन्स' बन चुकी हो।

ईरान का आसमान अमेरिका और इजराइल ने मिलकर रक्तरंजित कर दिया है। मोसाद ने चुन-चुन कर इतिहास की इस धरोहर को जख्मों का जखीरा बना दिया।

हां, एक सच है कि इतिहास गवाह है हर युद्ध अपने साथ विजय से ज्यादा विनाश छोड़ता है। और यह भी तय है कि अमेरिका को इस जंग से यश नहीं, जलालत मिलेगी। अपने ही घर में सवाल उठेंगे, अपने ही लोग जवाब मांगेंगे। और जो 450 किलो यूरेनियम की चाह है वो ख्वाब ही रहेगा। क्योंकि अगर ईरान ने बम नहीं बनाया, तो उसने उसे कहीं और सुरक्षित कर दिया होगाज शायद रूसज शायद चीन।

डर एक था और वह सही भी था कि जिस दिन ईरान के पास परमाणु शक्ति आई, वह सीधे इज़राइल की ओर बढ़ेगी। और इज़राइल का अस्तित्व मिट सकता है। इस डर ने अमेरिका को युद्ध की ओर धकेला पर सवाल यह भी है कि पाकिस्तान के बमों पर यह खामोशी क्यों है? क्या वे कभी ख़तरा नहीं बनेंगेज? या खतरे भी अब चयनित हो गए हैंज?

इसी परिप्रेक्ष्य में एक और घटना दिल दहला देती है। अभी 3 दिन पहले ही पाकिस्तान ने काबुल की राजधानी में एक अस्पताल को एयरस्ट्राइक में निशाना बनाया। जहां जीवन बचाने की कोशिश होती है, वहां मौत उतार दी गई। जहां दवाइयां होनी चाहिए थीं, वहां धुएं और चीखों का अंधकार फैल गया। 400 लोग मारे गए, 250 से अधिक घायल होकर तड़पते रह गए। पर इससे भी अधिक भयावह है उस त्रासदी पर पसरा सन्नाटा। भारत में ईरान और गाज़ा के नाम पर सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने वाले लोग आज इस त्रासदी पर एक सुविधाजनक खामोशी ओढ़े हुए हैं। वैश्विक मंचों पर भी कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं। अमेरिका तो ऐसी चुप्पी साधे बैठा है जैसे इस हमले के बारे में वह जानता ही नहीं।

यही वह क्षण है जब यह प्रश्न भीतर तक चीर देता है कि क्या निर्दोषों का रक्त भी अब 'जियोपॉलिटिकल इंटरेस्ट' के तराजू पर तौला जाने लगा है? क्या संवेदनाएं भी अब 'सेलेक्टिव सिम्पैथी' बन चुकी हैं?

दरअसल युद्ध शुरू करना आसान होता है, पर उसे रोकना इतिहास के सबसे कठिन निर्णयों में से एक है। ऐसे समय में भारत जैसे राष्ट्र की नीति याद आती है जिसने 25 मिनट में दुश्मन के आतंकी ठिकाने ध्वस्त कर दिए, 11 एयरबेस उड़ा दिए और नूर खां के परमाणु भंडार तक ब्रह्मोस की आहट पहुंचा दी, बिना युद्ध को युद्ध बनाए।

दुनिया के बी-1 और बी-2 बॉम्बर जिन अभियानों को 'हाइपोथेटिकल प्लानिंग' में रखते हैं, उसका ट्रेलर भारत की धरती पर बनी एक स्वदेशी मिसाइल ने दिखा दिया। क्योंकि शक्ति का अर्थ केवल प्रहार नहीं प्रमाण भी होता है।

और शायद यही फर्क है अहंकार और आचरण में, आक्रमण और आत्मसंयम में और युद्ध और नीति में। दुनिया को अब यह तय करना होगा कि उसे सत्ता, स्वार्थ और संघर्ष की लपटों में जलकर राख होना है या संतुलन, संयम और समझ की रोशनी में चलकर अपनी राह बनानी है। क्योंकि तलवारें जीत तो लेती हैं, पर टिकती नहीं। सभ्यताएं वही जीवित रहती हैं, जो शक्ति नहीं, विवेक से दिशा चुनती हैं। जो लहू नहीं, लौ से अपना भविष्य रचती हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

जानिए हाथों की हस्तरेखा के बारे में...

प्राचीन काल से अपने भविष्य को जानने की तीन प्रक्रियाएं चलती आ रही है, ज्योतिष शास्त्र, अंक ज्योतिष और हस्त शास्त्र। ऐसा कहा जाता है कि हाथों की लकीरें पढकर एक व्यक्ति को उसके भूतकाल, वर्तमान और भविष्य की जानकारी देने की कला को हस्त अध्यन और हस्त शास्त्र कहते है। ज्योतिष के अनुसार, इंसान की कुंडली या हस्तरेखा में उसके राज छुपे होते है।

ज्योतिष शास्त्र के अध्ययन में इन बातों का बखान किया गया है। जब भी हम अपनी हस्तरेखा या कुंडली दिखाते है तो सबसे ज्यादा जिज्ञासा इस बात की होती है कि हमारा भविष्य कैसा होगा और हमें कामयाबी मिलेगी या नहीं हस्तरेखा ज्योतिष में हथेली का अध्ययन करके इसका पता लगाया जा सकता है। आपकी हाथों की ये लकीरें क्या कहती है आइए जानते है। ज्योतिष के मुताबिक, 'दाहिना हाथ पुरुषों का पढ़ा जाता है, जबकि महिलाओं का बायां हाथ पढ़ा जाता है।' रेखा शास्त्र में विभिन रेखाओं को दर्शाया गया है जैसे जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा, विवाह रेखा, हृदय रेखा, सूर्य रेखा, भाग्य रेखा आदि आईए हस्त रेखाओं के बारे में जानते है।

सूर्य रेखा

सूर्य रेखा मध्यभाग में होती है और यह व्यक्ति के रचनात्मक होने की जानकारी देती है और साथ ही में आत्मविश्वास तथा योग्यता के बारे में बताती है।

जीवन रेखा

जीवन रेखा अंगूठे के नीचे वाले भाग में होती है, यह पहली ऊंगली (इंडेक्स फिंगर) और अंगूठे के मध्य से शुरू होकर मणिबंध तक जाती है। यह रेखा आपके जीवन के साथ साथ जिंदगी में होने वाली घटनाओं के रहस्य खोलती है। रेखा की लंबाई अच्छी सेहत और उसका छोटा होना शारीरक परेशानियों को दर्शाता है।

मस्तिष्क रेखा

यह रेखा जीवन रेखा के पास से शुरू होकर हथेली के दूसरी ओर जाती है। यह रेखा आपके ज्ञान और विज्ञान की जानकारी देती है, अगर यह रेखा लंबी है तो इसका मतलब है कि आप जीवन के निर्णय बहुत सोच समझ कर और समझदारी से लेते है परंतु अगर इसकी लंबाई छोटी है तो इसका अर्थ है कि आप किसी भी निर्णय या फैसले को आसानी से मान लेते हो।

भाग्य रेखा

इस रेखा का उदगम कलाई से, चंद्र पर्वत से, जीवन रेखा से, मस्तिष्क रेखा या हृदय रेखा से होता है, यह हथेली के केंद्र में स्थित होती है। इस रेखा द्वारा शिक्षा और कैरियर, हमारी सफलता और विफलता से संबंधित निर्णय और उन निर्णय से होने वाले फल एवं इनमे आने वाली बाधाओं का पता चलता है।

हृदय रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के नीचे वाले बहग से शुरू होकर पहली ऊंगली यानि की इंडेक्स फिंगर के नीचे वाले भाग की ओर जाती है। जिन जातकों की हृदय रेखा गहरी होगी उनको प्रेम संबंधों में कामयाबी प्राप्त होगी। और जिनकी रेखा फीकी होगी उन्हें प्यार के मामले में भरोसा नहीं करना चाहिए।

विवाह रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के निचले हिस्से में जिसे बुध पर्वत कहते हैं वहां आड़ी होती हैं। यह कई जातकों के हाथों में एक तो कई के हाथों में एक से अधिक भी होती है। एक से अधिक विवाह रेखाओं के संदर्भ में वह रेखा मान्य होती है जो सबसे अधिक गहरी और स्पष्ट हो बाकि रेखा संबंधों के बिछडने या टूटने के संकेत देती है। अगर विवाह रेखा ऊपर की तरफ आती हुई हृदय रेखा से मिले या फिर विवाह रेखा पर तिल हो या क्रॉस का निशान हो तो शादी में बहुत कठिनाइयां होती हैं।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए करें ऐसा

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रात: काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अत: भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

यदि आपके जीवन में बार-बार परेशानियां और रुकावटें आती रहती हैं, तो आप फेंगशुई शास्त्र की मदद से इसमें काफी हद तक परिवर्तन ला सकते हैं यानी दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल सकते हैं और परेशानियों से भी निजात पा सकते हैं।

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल देता है ये नेवला

इस दुनियां में शायद ही ऐसा कोई इंसान होगा जो अपने दुर्भाग्य से पीछा छुड़ाना नहीं चाहता होगा, और व्यक्ति अपने दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलने के कुछ न कुछ प्रयास करते ही रहता। लेकिन दुर्भाग्य से पीछा छुड़ाना इतना आसान नहीं होता क्योंकि जब अनुभवी लोग कहते है कि अगर किसी इंसान का समय बुरा चल रहा होता है तो उसका खुद का साया भी साथ छोड़ देता है। यदि आपके जीवन में बार-बार परेशानियां और रुकावटें आती रहती हैं, तो आप फेंगशुई शास्त्र की मदद से इसमें काफी हद तक परिवर्तन ला सकते हैं यानी दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल सकते हैं और परेशानियों से भी निजात पा सकते हैं। फेंगशुई शास्त्र सिद्धांत पॉजिटिव और नेगेटिव एनर्जी पर आधारित हैं। यदि घर में पॉजिटिव एनर्जी होगी तो कामों में आसानी से सफलता मिलेगी, जबकि नेगेटिव एनर्जी के प्रभाव से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फेंगशुई में ऐसी अनेक चीजों के बारे में बताया गया है, जिन्हें घर में रखने से बहुत सी परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता है। ऐसी ही एक चीज है फेंगशुई का नेवला। इसे घर, दुकान या ऑफिस कहीं भी रख सकते हैं। आज हम फेंगशुई नेवले के बारे में बताने जा है जिसको घर या दुकान में रखने से इसके फायदे है आइए जानते है।

बेड लक दूर करता है नेवला

फेंगशुई के अनुसार, नेवला धन- संपत्ति का प्रतीक है। अगर आपका बिजनेस नहीं चल रहा तो आप इसे अपनी दुकान या ऑफिस में भी रख सकते हैं। इससे आपका बेड लक तो दूर होगा ही साथ ही बिजनेस में भी तरक्की होगी। फेंगशुई में नेवले को सोने के सिक्के पर बैठा दिखाया जाता है, जो चल धन-संपत्ति का प्रतीक है।

घर के मुख्य हॉल में रखे फेंगशुई नेवला

अगर आप धन-संपत्ति चाहते हैं तो फेंगशुई के नेवले को घर के मुख्य हॉल में रखें। फेंगशुई शास्त्र के मुताबिक, आप ऐसे नेवले को ले जिसके ऊपर और आस-पास छोटे नेवले दिखाई दे रहे हो। फेंगशुई शास्त्र के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि ये वंश वृद्धि का प्रतीक है। यानी इसे घर में रखने से वंश की वृद्धि भी संभव है।

ऑफिस में यहां पर रखें

ऑफिस में कुछ समस्या हो तो इसे अपनी टेबल पर भी रख सकते हैं। इससे ऑफिस के माहौल में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी और नेगेटिव एनर्जी कम होगी।

दुकान के दक्षिण दिशा में रखें

अगर दुकान पर किसी की नजर लगी हो तो नेवले को दक्षिण दिशा में इस तरह रखें वो सभी को नजर आए, इससे आपको फायदा हो सकता है।

भगवान शिव की ऐसे करें विशेष पूजा

हम सभी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि सोमवार का दिन भगवान शिव का दिन माना जाता है। सोमवार को भगवान शिव की पूजा करने से वह अपने भक्तों पर जल्द प्रसन्न हो जाते हैं और उनका मनचाहा वरदान उन्हें दे देते हैं। भगवान शिव को प्रसन्न करने में किसी भी मनुष्य को कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ता है क्योंकि वह आसानी से शिव भगवान को खुश कर सकते हैं। आज हम सपने में शिवजी से जुड़ी चीजें के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे भगवान शिव अपने भक्तों पर प्रसन्न होते है। आइए जानते है।

दौलतमंद बनने के लिए

अमीर बनने के लिए शिव भगवान को कमल का फूल, शंखपुष्पी या बिल्वपत्र चढ़ा दें।

वाहन सुख के लिए

कहा जाता है वहां सुख के लिए शिव पर चमेली का फूल चढ़ाना चाहिए।

विवाह में समस्या दूर करने के लिए

अगर आपका विवाह नहीं हो रहा है तो बेला के फूल को भगवान शिव को अर्पित करें।

पुत्र प्राप्ति के लिए

अगर आप पुत्र चाहते हैं तो शिव जी को धतुरे का लाल फूल वाला धतूरा अर्पित करें।

मानसिक तनाव दूर करने के लिए

मन के तनाव को दूर करने के लिए शिव को शेफालिका के फूल चढ़ाएं।

वस्त्र-आभूषण के लिए

शिव पूजा में कनेर के फूलों के अर्पण से वस्त्र-आभूषण की इच्छा पूरी होती है।

सुख-शांति और मोक्ष के लिए

महादेव की तुलसी के पत्तों या सफेद कमल के फूलों से पूजा करें।

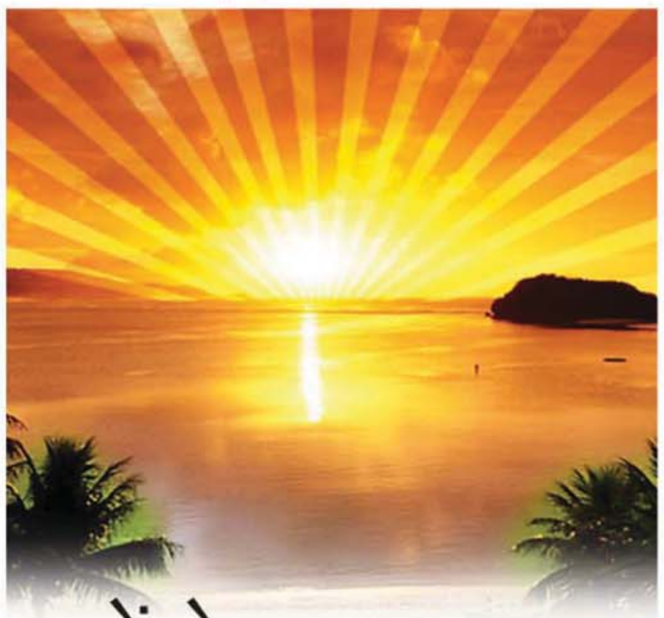

करें ये आसान उपाय संवरती है बिगड़ी तकदीर

वास्तु क्या है, क्यों है, लोग क्यों इसे इतना महत्व देते है, ये बाते तो आप सभी जानते होंगे। लेकिन आज हम आपको वास्तु शास्त्र से जुड़े उन तथ्यों के बारे में बताने जा रहे है, जिन्हे जानकर आप चौंक जाएंगे। ये जानकर आप चौंक जाएंगे कि आधी से ज्यादा जनता इन गलतियों को रोजाना दोहराती है, जिससे उनके घर में आए दिन दिक्कतें आती रहती है।

- सूर्यास्त के बाद कभी भी दूध, दही और प्याज नहीं देना चाहिए, ऐसा करने से आपका भाग्य रूठ जाता है, फिर चाहे वो बाहर का कुत्ता ही क्यों न हो।
- आम तौर पर लोग खुशी के मौके पर मिठाइयां बांटते है, लेकिन ज्योतिष शास्त्र कहता है कि हर 2 महीने में दफ्तर में अपने साथियों के संग मिठाई बांटकर खानी चाहिए, इससे तरक्की के रास्ते खुलते है।
- वैसे ये कहनी वाली बात तो नहीं है कि रात में जूठे बर्तन सिंक में नहीं रखने चाहिए, इससे लक्ष्मी जी रूठ जाती है।
- ध्यान रहे कि कूड़ादान ठीक प्रवेश द्वार के आगे न रखे, ऐसा करने से लक्ष्मी जी घर में प्रवेश नहीं करती।
- ध्यान रहे महीने में एक बार घर में खीर जरूर बनाएं और लक्ष्मी जी को भोग लगाकर घर वालों के साथ बैठकर खाएं, इससे घर में दरिद्रता नहीं आती।
- रोज सोने से पहले बाथरूम और किचन में एक बाल्टी पानी भर के रखें, इससे धन लाभ होगा और उन्नति के रास्ते खुलेंगे।

आलिया भट्ट का ऐलान, 'Don't Be Shy' में आउटसाइडर्स को करेंगी लॉन्च

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों एक्टिंग से ज्यादा अपनी 'प्रोड्यूसर' वाली भूमिका को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में मुंबई में आयोजित अमेजन प्राइम वीडियो के इवेंट में आलिया ने अपनी अगली प्रोडक्शन फिल्म 'Don't Be Shy' का ऐलान किया। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि वह इस फिल्म के जरिए फिल्म इंडस्ट्री के बाहर से आए युवाओं को मौका देने जा रही हैं।

इवेंट के दौरान होस्ट करण जौहर और आलिया के बीच काफी मजेदार बातचीत हुई। जब करण ने चुटकी लेते हुए कहा कि आलिया अब एक मंझी हुई प्रोड्यूसर बन गई हैं,तो आलिया ने हंसते हुए जवाब दिया, 'हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक सही तरीका होता है।'जब करण ने सीधा सवाल किया कि क्या उनकी फिल्म की स्टारकास्ट 'आउटसाइडर्स' है? तो आलिया ने 'हां' में जवाब दिया। इस पर करण ने भावुक होते हुए कहा, 'मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बन रही 'डॉन्ट बी शाई' 20 साल की एक लड़की श्यामली 'शाइ' दास की कहानी है। श्यामली को लगता है कि उसकी लाइफ पूरी तरह सॉर्टेड है,लेकिन तभी उसकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है जहां सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर हो जाता है। यह एक 'कमिंग ऑफ एज'ड्रामा है,जिसे आलिया और उनकी बहन शाहीन भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोड्यूस कर रही है। फिल्म अक्टूबर 2026 तक रिलीज हो सकती है।

शो में बचपन की यादों में खोते नजर आए अक्षय कुमार

क्विज रियलिटी शो व्हील ऑफ फार्च्यून की मेजबानी कर रहे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने बचपन से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया। शो के एक एपिसोड में अक्षय कुमार बचपन की यादों में खोते नजर आए। उन्होंने बताया कि उनके पिता पहलवान थे और घर का माहौल हमेशा खेल और मार्शल आर्ट्स से जुड़ा रहता था। उनके अनुसार बचपन से ही घर में मार्शल आर्ट्स, कुश्ती और रेसलिंग की चर्चा आम बात थी। अक्षय ने बताया कि उनके पिता पेशेवर पहलवानों को जानते थे और कई बार उन्हें उन्हीं पहलवानों के साथ कुश्ती लड़ने के लिए कहते थे। अभिनेता ने कहा कि उस समय ये मुकाबले काफी कठिन होते थे, लेकिन उन्हीं अनुभवों ने उन्हें मजबूत बनाया और आज वही चीजें उनके काम आ रही हैं।

शो में मौजूद प्रतियोगियों ख्याति रॉय, मीतू तनेजा और आकाश शर्मा के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने माता-पिता और बच्चों के रिश्ते पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि बचपन में मिले ये अनुभव न सिर्फ शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को मजबूत करते हैं। यही वजह है कि आज उनकी एक्शन फिल्मों में दिखाई देने वाले स्टंट और परफॉर्मेंस में यह आत्मविश्वास साफ नजर आता है।

अक्षय कुमार ने इस मौके पर माता-पिता के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता को अपने बच्चों की रुचि और शौक को समझने की कोशिश करनी चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे पढ़ाई में ज्यादा रुचि नहीं लेते, लेकिन खेल, कला या किसी अन्य क्षेत्र में उनकी गहरी दिलचस्पी होती है। ऐसे में माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को समझें और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने में मदद करें। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि अगर कोई बच्चा पढ़ाई में कमजोर है लेकिन किसी अन्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो उसे पहले अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए प्रेरित करना चाहिए और उसके बाद उसके सपनों को पूरा करने में उसका साथ देना चाहिए।

अक्षय के अनुसार बच्चों को उस चीज से दूर नहीं करना चाहिए, जिसे करने में उन्हें खुशी मिलती हो। अभिनेता ने कहा कि हर बच्चे की रुचि अलग होती है। किसी को तैराकी पसंद होती है, किसी को बॉक्सिंग, किसी को मार्शल आर्ट्स तो किसी को क्विज प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना अच्छा लगता है। ऐसे में माता-पिता का सहयोग बेहद अहम होता है। उन्होंने कहा कि अगर परिवार का साथ मिले तो बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होता है।

यामी गौतम हॉरर फिल्म से मचाएंगी तहलका

यामी गौतम बॉलीवुड की सबसे शानदार और अंडररेटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। यामी आखिरी बार कोर्टरूम ड्रामा 'हक' में नजर आई थीं, इस फिल्म में यामी गौतम ने शाह बानो का किरदार निभाया और सारी महफिल लूट ली।

हाल ही में यामी, अपने पति आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी 'धुरंधर 2' में कैमियो रोल में नजर आईं। हालांकि, उनका स्क्रीन टाइम काफी कम था लेकिन काफी अहम था। कोर्टरूम ड्रामा और स्पाई थ्रिलर के बाद अब यामी गौतम एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आने वाली है, जिसके लिए एक्ट्रेस ने कमर कस ली है।नवंबर 2025 में रिलीज हुई 'हक' को थिएटर में भले ही कुछ खास रिस्पॉन्स न मिला हो। लेकिन OTT पर आने के बाद यामी गौतम की फिल्म को ऑडियंस से भरपूर प्यार मिला। अब जल्द ही यामी गौतम हॉरर कॉमेडी 'नई नवेली' लीड रोल निभाते हुए नजक आएंगी। इस बात की अनाउंसमेंट Prime Video के एक खास इवेंट के दौरान की गई। यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स्चर होने वाली है। आनंद एल राय के प्रोडक्शन में बनी और बालाजी मोहन की डायरेक्ट की हुई ये फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं का कॉमेडी मिक्स्चर होगी। यामी गौतम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस अपकमिंग फिल्म की डिटेल्स शेयर कीं। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है,लेकिन थिएट्रिकल रन के बाद ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी।

भारती ने छोटे बेटे काजू का फेस किया रिवील

मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया के घर इन दिनों खुशियों का माहौल है। 19 दिसंबर 2025 को अपने दूसरे बेटे का स्वागत करने के बाद कपल ने आखिरकार अपने लाडले का चेहरा दुनिया को दिखा दिया है। भारती और हर्ष ने एक नए व्लॉग में अपने छोटे बेटे यशवीर, जिसे वे प्यार से 'काजू' बुलाते हैं, का चेहरा आधिकारिक तौर पर रिवील किया।

यशवीर के तीन महीने पूरे होने के खास मौके पर भारती और हर्ष ने एक 'सी-थीम' पार्टी का आयोजन किया। इस निजी समारोह में परिवार के करीबी सदस्य शामिल हुए। एक फिल्मी अंदाज में काउंटडाउन के साथ भारती और हर्ष ने यशवीर के चेहरे से पर्दा हटाया और उस पर गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश की। फेस रिवील वीडियो में नन्हा यशवीर लाल और सफेद रंग के जम्पर में बेहद क्यूट लग रहा था। जब कैमरा करीब आया, तो वह मुस्कुराता हुआ नजर आया। वीडियो में भारती ने अपने बड़े बेटे गोला के फेस रिवील की यादें भी ताजा कीं, जिससे फैंस काफी भावुक हो गए। वीडियो सामने आते ही कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। फैंस का मानना है कि जहां बड़ा बेटा गोला अपनी मां भारती जैसा दिखता है, वहीं छोटा बेटा यशवीर बिल्कुल अपने पिता हर्ष लिंबाचिया और दादाजी पर गया है। एक यूजर ने लिखा, 'काजू का चेहरा काफी मैच्योर है और वह पूरी तरह हर्ष जैसा दिखता है।'

खत्म हुआ इंतजार, मिर्जापुर सीरीज के फैन्स के लिए आई खुशखबरी

प्राइम वीडियो की सीरीज मिर्जापुर का जलवा देखने को मिला था और आज भी लोग इसके किरदारों को भूले नहीं हैं। अब मिर्जापुर की दुनिया सीरीज से आगे बढ़कर फिल्म की शक्ल लेने वाली है। प्राइम वीडियो पर मिर्जापुर कहानी पर एक फिल्म बन रही है और हाल ही में इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है। मिर्जापुर फिल्म अब 4 सितंबर को रिलीज के लिए तैयार है। प्राइम वीडियो इंडिया ने एक नया पोस्टर जारी करके इस चर्चा को और तेज कर दिया है, जो अंडरवर्ल्ड की इस गाथा के एक और भी व्यापक और दृश्यात्मक अध्याय का संकेत देता है। नए जारी किए गए पोस्टर में, मिर्ज़ापुर की जानी-पहचानी अराजकता को झुलसा देने वाले रेगिस्तानी परिदृश्य में नए सिरे से प्रस्तुत किया गया है। जीपों का एक काफिला रेत के टीलों पर तेज़ी से दौड़ता हुआ, बंजर इलाके में आगे बढ़ते हुए धूल उड़ाता है। सबसे चौंकाने वाले दृश्यों में से एक में, एक शव को वाहन के पीछे घसीटा जाता हुआ दिखाया गया है, जो रेत पर खून के निशान छोड़ता है, जो तुरंत फ़्रैंचाइज़ की पहचान बन चुकी क्रूरता को और पुख्ता करता है। धधकते आसमान, रेगिस्तान के एकांत और हिंसक दृश्यों से यह संकेत मिलता है कि फिल्म का लक्ष्य एक भव्य, अधिक सिनेमाई पैमाने पर पहुंचना है, जबकि उस क्रूर सार को बरकरार रखना है जिसने इस श्रृंखला को एक अभूतपूर्व घटना बना दिया।

9 साल छोटी तृषा कृष्णन से शादी करेंगे थलपति विजय

साउथ स्टार थलपति विजय फिल्मों के बाद तमिल राजनीति में कदम रख चुके हैं। इन दिनों हर ओर से उनका नाम सुर्खियों में है, बात चाहें फिल्म या राजनीति की हो, या फिर उनकी निजी जिंदगी की। तमिलनाडु चुनाव से ठीक पहले उनकी पत्नी संगीता ने तलाक की अर्जी दी है। तलाक की खबरों के बीच उनका नाम एक्ट्रेस तृषा कृष्णन संग जोड़ा जा रहा है, खबरें हैं कि इलेक्शन के बाद दोनों शादी कर सकते हैं।

शादीशुदा थलपति विजय और तृषा के रोमांस की चर्चा उनकी फिल्म 'लियो' के बाद शुरू हुई थी। फिल्म के बाद वो सोशल मीडिया, पब्लिक इवेंट और सेलिब्रिटी शादियों में साथ दिखाई देने लगे थे। इससे उनके डेटिंग की अफवाहें शुरू हुईं। विजय की तरह तृषा को भी राजनीति में गहरी रूची है, इससे दोनों की बॉन्डिंग स्ट्रॉन्ग होती गई। थलपति विजय की पत्नी संगीता ने तलाक की अर्जी देते हुए एक्टर पर एक्स्ट्रा मैरिटल का आरोप लगाया हुआ है। ये भी कहा जा रहा है कि तलाक में विजय पत्नी को 200 करोड़ की एलिमिनी देंगे। सोशल मीडिया पर एक्टर की दूसरी शादी बज शुरू हो गया है। एक वायरल रील में दावा किया गया कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद दोनों रिश्ता ऑफिशियल करेंगे। बात तब और गरमाई जब तृषा की मां उमा कृष्णन ने उस रील को लाइक कर दिया है।

रश्मिका मंदाना को बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने 'तेलंगाना गदर फिल्म अवॉड्र्स 2025' में बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड अपने नाम किया है। 26 फरवरी को विजय देवरकोंडा के साथ शादी के बंधन में बंधने के बाद यह रश्मिका का पहला बड़ा पब्लिक अपीयरेंस था। इस मौके पर वे अपनी सास माधवी देवरकोंडा के साथ नजर आईं। अवॉर्ड समारोह का आयोजन 19 मार्च को 'उगादि' के मौके पर किया गया, जिसमें तेलुगु सिनेमा के कई बड़े सेलेब्स ने शिरकत की। रश्मिका मंदाना को उनकी फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में 'भूमा देवी' के किरदार के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया। एक्टर राम चरण ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में रश्मिका को यह ट्रॉफी सौंपी। शादी के बाद यह रश्मिका का पहला बड़ा अवॉर्ड है।

साड़ी और सिंदूर के साथ मंच पर दिखीं रश्मिका

स्टेज पर अवॉर्ड लेते समय रश्मिका काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने अपनी स्पीच में संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा, "शुरुआत में लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को काफी ट्रोल किया था, लेकिन आज उसी काम के लिए राज्य ने मुझे यह अवॉर्ड दिया है। मैंने यहां तक पहुंचने के लिए एक लंबा सफर तय किया है।" रेड कार्पेट पर रश्मिका अपनी सास माधवी देवरकोंडा के साथ पहुंची थीं।

इच्छाधारी नाग बने पर्दे पर दिखेंगे कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन आखिरी बार बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में नजर आए थे। इस फिल्म में कार्तिक के साथ अनन्या पांडे ने लीड रोल निभाया था। हालांकि ये फिल्म कमाई के मामले में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। अब कार्तिक जल्द ही इच्छाधारी नाग बने स्क्रीन पर जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं। कार्तिक की अपकमिंग फिल्म 'नागजिला: नागलोक का पहला कांड' की पहली झलक भी सामने आ गई है। इस फिल्म में कार्तिक इच्छाधारी नाग का रोल निभाते नजर आएंगे।

अमेजॉन प्राइम वीडियो ने 19 मार्च को मुंबई में आयोजित 'इट स्टार्ट्स हियर' इवेंट में कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'नागज़िला: नाग लोक का पहला कांड' को अपने 2026 कंटेंट स्लेट के हिस्से के रूप में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया। इस घोषणा के साथ ही इस फैंटेसी क्रिएचर-कॉमेडी को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की प्रमुख आगामी थिएटर-समर्थित प्रोजेक्ट्स में से एक के रूप में स्थापित किया गया है। हाल ही में जारी किए गए पोस्टर ने फिल्म के मिजाज और भव्यता की पहली झलक पेश की।

सान्या मल्होत्रा ने खरीदा अपना घर

करीब दस साल की मेहनत और संघर्ष के बाद अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपना शानदार घर खरीद लिया है। सान्या ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को अपने नए घर की झलक भी दिखाई है। सान्या मल्होत्रा को फिल्म इंडस्ट्री में आए अब लगभग एक दशक हो चुका है। इस दौरान उन्होंने अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में मजबूत पहचान बनाई है। अब इसी मेहनत का नतीजा है कि उन्होंने अपना एक और सपना पूरा करते हुए मुंबई में अपना खूबसूरत घर खरीदा है। अभिनेत्री ने अपने गृहप्रवेश की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिनमें वह अपने माता-पिता के साथ बेहद खुश नजर आ रही हैं।

सान्या ने अपने नए घर का होम टूर भी फैंस के साथ साझा किया है। तस्वीरों में उनके घर का इंटीरियर बेहद एलिगेंट और सुकून भरा नजर आता है। घर के अलग-अलग हिस्सों को बड़े ही सलीके से सजाया गया है, जिससे पूरे घर में एक कूल और पॉजिटिव वाइब दिखाई देती है। इन तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने अपने भावनात्मक अनुभव भी साझा किए। उन्होंने लिखा, "हर हर महादेव। सालों के सपने, मेहनत, सीखना और विकास का यह फल है। इस घर की हर दीवार मुझे याद दिलाएगी कि धैर्य और विश्वास का परिणाम कितना सुंदर हो सकता है। इस पूरी यात्रा में मेरे परिवार और दोस्तों का भरोसा मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है।" उन्होंने आगे कहा कि यह घर सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी की लंबी यात्रा का अहम हिस्सा है। उन्होंने अपने संदेश के अंत में लिखा, "मेरे घर में आपका स्वागत है।" गौरतलब है कि सान्या मल्होत्रा ने न सिर्फ अपनी निजी जिंदगी में, बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी शानदार सफलता हासिल की है। उनकी ओटीटी फिल्म कथाल । और मिसेज. को दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिली। खासतौर पर फिल्म 'मिसेज' में निभाए गए उनके किरदार ऋचा को काफी पसंद किया गया। इस फिल्म के लिए सान्या मल्होत्रा को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिले। उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी अवार्डस 2025 में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया गया। इसके अलावा शोशा रील अवार्डस 2026 और न्यूयार्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 में भी उन्हें इसी फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के सम्मान से नवाजा गया।

प्रशासन की नाक के नीचे पर्यावरण का कत्लेआम : सिवनी में सोलर प्लांट के नाम पर 144 से अधिक पेड़ों की बलि

भानुप्रतापपुर। ग्राम सिवनी में नियमों को ताक पर रखकर पर्यावरण संरक्षण की धज्जियां उड़ाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक रसूखदार उद्योगपति द्वारा अपनी 30 एकड़ जमीन पर जेसीबी चलवाकर 144 से अधिक विशालकाय पेड़ों को जड़ से उखाड़ फेंका गया। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जब यह 'हरियाली का संहार' चल रहा था, तब स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक बना रहा।

भिलाई के लाइट इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फर्म 'मनमीत इस्पात प्राइवेट लिमिटेड' के संचालक संदीप अग्रवाल ने सिवनी में खसरा नंबर 183 की 30 एकड़ जमीन खरीदी है। बताया जा रहा है कि यहाँ सोलर प्लांट लगाने की तैयारी है। इसी कार्य के लिए बिना किसी वैध अनुमति के भारी मशीनों का उपयोग कर हरे-भरे जंगल को मैदान में तब्दील कर दिया गया। सोशल मीडिया पर जब उजाड़ की तस्वीरें वायरल हुईं, तब जाकर वन और राजस्व विभाग की नींद खुली। आनन-फानन में डिप्टी रेंजर श्रीकांत यदु के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुँची और ठूंठों की गिनती कर पंचनामा तैयार किया।

पटवारी और वनकर्मियों की भूमिका संदिग्ध

ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि इस अवैध कटाई की सूचना हल्का पटवारी अश्वनी साहू और संबंधित बीट गार्ड को बार-बार दी गई थी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज किया। ग्रामीणों का कहना है। बिना अधिकारियों के संरक्षण के इतने बड़े पैमाने पर पेड़ों को उखाड़ना संभव नहीं है। अब जब मामला सार्वजनिक हो गया है, तो केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही है।

जांच में चौंकाने वाले तथ्य

आधिकारिक तौर पर अब तक 144 बड़े पेड़ों को उखाड़ने की पुष्टि हुई है। आशंका है कि कई पेड़ों को काटकर मौके से गायब कर दिया गया है। नन्हे पौधों का विनाश सैकड़ों छोटे पौधों को भी जेसीबी से रौंद दिया गया है, जिनकी गणना जारी है।

एसडीएम की कार्यवाही पर टिकी निगाहें

अब सबकी नज़रें भानुप्रतापपुर एसडीएम गंगाधर वाहिले पर टिकी हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि यदि कोई गरीब किसान अपने खेत का एक पेड़ भी काट ले, तो प्रशासन उस पर भारी जुर्माना ठोक देता है। ऐसे में 30 एकड़ के जंगल को उजाड़ने वाले इस रसूखदार उद्योगपति और दोषी कर्मचारियों पर प्रशासन क्या कड़ा रुख अपनाता है और मशीनों की जब्ती करता है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी।

कुटरू नेशनल पार्क क्षेत्र के ग्रामीणों से विधायक विक्रम मंडावी ने की भेंट-मुलाकात

अपने वादे के अनुरूप विक्रम मंडावी ने दिया पानी टैंकर और देवगुड़ी निर्माण की सौगात

बीजापुर। बीजापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम मंडावी ने कुटरू नेशनल पार्क क्षेत्र का एकदिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात की और उनकी समस्याओं तथा मांगों को ध्यान से सुना। विधायक विक्रम मंडावी के विगत दिनों पार्क क्षेत्र के दौरे के दौरान ग्रामीणों ने विशेष रूप से पीने के पानी की समस्या को दूर करने की मांग की थी और गांवो में पानी टैंकर उपलब्ध कराने और देवगुड़ी निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सोमवार को विधायक विक्रम मंडावी ने ग्रामीणों से किए गए अपने वादे को पूरा करते हुए ग्राम पंचायत सेंड्रा, एडापल्ली, बड़ेकाकलेड और सागमेटा को एक-एक पानी टैंकर ग्राम कूटरू में प्रदान किया और ग्राम पंचायत सांड्रा (सेंड्रा) और एड़पल्ली में विधायक निधि से पांच-पांच लाख रुपये की लागत से देवगुड़ी का निर्माण कराने की स्वीकृति भी दे दी है। ग्रामीणों ने अपनी मांगों के अनुरूप दिए गए सौगातों पर विधायक विक्रम मंडावी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोमारू राम नाग, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुटरू के शैलेश मंडावी, सभी संबंधित पंचायतों के सरपंच तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

धर्म परिवर्तन से पहले सूचना और जांच अनिवार्य महिलाओं-नाबालिगों की सुरक्षा को मिला कानूनी कवच

धर्म स्वातंर्त्य विधेयक 2026 : पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया पर जोर

दीपिका शोरी ने बताया– जवाबदेही बढ़ाने वाला कानून

सुकमा। छत्तीसगढ़ में पारित धर्म स्वातंर्त्य (संशोधन) विधेयक 2026 को लेकर अब चर्चा केवल सामाजिक या राजनीतिक पहलू तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके कानूनी और प्रक्रियात्मक प्रभावों पर भी फ ोकस बढ़ रहा है। इसी संदर्भ में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका शोरी ने इस कानून को पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला अहम कदम बताया है। दीपिका शोरी ने कहा कि नए प्रावधानों के तहत धर्म परिवर्तन अब एक नियत प्रक्रिया के दायरे में आएगा, जिसमें पूर्व सूचना देना, प्रशासनिक परीक्षण और सार्वजनिक जानकारी जैसे चरण शामिल हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी निर्णय पूरी तरह स्वेच्छा और कानूनी मानकों के अनुरूप हो। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि कानून का उद्देश्य किसी की व्यक्तिगत आस्था में हस्तक्षेप करना नहीं, बल्कि अवैध और संदिग्ध गतिविधियों को रोकना है। जब प्रक्रिया स्पष्ट और निगरानी में होगी, तब विवाद और शिकायतों की गुंजाइश भी कम होगी, उन्होंने कहा। महिला आयोग की सदस्य ने बताया कि इस विधेयक में महिलाओं, नाबालिगों और कमजोर वर्गों के मामलों को संवेदनशील मानते हुए विशेष सुरक्षा प्रावधान जोड़े गए हैं। ऐसे मामलों में सख्त सजा और आर्थिक दंड का प्रावधान कानून को अधिक प्रभावी बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार धर्म परिवर्तन से जुड़े मामलों में तथ्य सामने नहीं आ पाते, जिससे पीड़ितों को न्याय मिलने में देरी होती है। नई व्यवस्था में दस्तावेजी प्रक्रिया और प्रशासनिक निगरानी से ऐसे मामलों में पारदर्शिता आएगी और दोषियों पर कार्रवाई आसान होगी। दीपिका शोरी ने उम्मीद जताई कि विधेयक के लागू होने के बाद राज्य में कानून व्यवस्था मजबूत होगी और सामाजिक विवादों में कमी आएगी। उन्होंने इसे प्रक्रिया-आधारित सुधार बताते हुए कहा कि इससे शासन और समाज के बीच विश्वास बढ़ेगा। अंत में उन्होंने प्रदेशवासियों को आगामी हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए शांति, सौहार्द और जागरूक समाज के निर्माण की कामना की।

बंद पड़े 123 स्कूल फिर से गुलज़ार, 'नियद नेल्लानार योजना' से बदली तस्वीर

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा की नई अलख

सुकमा के दूरस्थ क्षेत्रों में पिछले साल शुरू हुई 7 नवीन प्राथमिक शालाएं

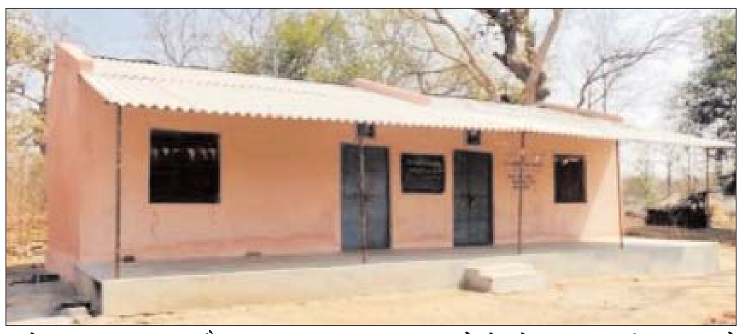

सुकमा। नक्सलवाद के काले साये को पीछे छोड़ते हुए छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों में शिक्षा का उजाला एक बार फिर तेजी से फैल रहा है। शासन द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, सलवा जुडूम आंदोलन के दौरान नक्सलियों के दहशत से बंद हुए सुकमा जिले के सैकड़ों स्कूलों के दरवाज़े अब बच्चों के लिए पूरी तरह खुल चुके हैं, और छत्तीसगढ़ सरकार की नियद नेल्लानार योजना से शिक्षा व्यवस्था को नई मज़बूती मिल रही है।

पुनर्जीवित हुई शिक्षा व्यवस्था

दस्तावेज़ के मुताबिक, वर्ष 2006 में माओवादी प्रभाव और सलवा जुडूम आंदोलन के कारण कुल 123 स्कूल बंद हो गए थे। इनमें 101 प्राथमिक और 21 माध्यमिक शालाएं शामिल थीं। प्रशासन के निरंतर प्रयासों से इन सभी स्कूलों को पुनः प्रारंभ कर दिया गया है। सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि वर्तमान में ऐसे स्कूलों की संख्या शून्य है, जो पूर्व में माओवादी प्रभाव के कारण बंद थे।

प्रमुख उपलब्धियां और बुनियादी ढांचा

शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और दूरस्थ इलाकों के छात्रों के भविष्य को देखते हुए आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों का जाल बिछाया गया है। पोटा केबिन (आवासीय विद्यालय) वर्तमान में 16 पोटा केबिन संचालित हैं, जिनमें 6,722 छात्र दर्ज हैं।

छात्रावास सुविधा 16 पोटा केबिन छात्रावासों में 1,389 विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाइप-3 (कक्षा 6वीं से 12वीं) के 3 विद्यालयों में 600 छात्राएं और टाइप-4 (कक्षा 9वीं से 12वीं) के 2 छात्रावासों में 200 छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं।

नियद नेल्लानार योजना से नई शुरुआत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वर्ष 2024-25 में विकास की गति को और तेज करते हुए नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत शामिल गांवों में 07 नवीन प्राथमिक शालाएं खोली गई हैं। इन स्कूलों में अब तक 210 बच्चों ने प्रवेश लिया है। भविष्य की कार्ययोजना को देखते हुए प्रशासन ने 19 और नए स्कूल खोलने का प्रस्ताव तैयार किया है। जमीनी स्तर पर आ रहे ये बदलाव न केवल बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं, बल्कि इन क्षेत्रों में विश्वास की एक नई किरण भी जगा रहे हैं। शासन ने 'पहले' और 'अब' की तस्वीरों के साथ विकास के इस परिवर्तन को प्रमाणित भी किया है, जो स्पष्ट करता है कि बंदूक की गूंज पर अब स्कूलों में बच्चों के ककहरा की गूंज और किताबों की सरसराहट भारी पड़ रही है।

दंतेवाड़ा में महापर्व नवरात्र के पांचवे दिन स्कंदमाता की हुई पूजा

किरंदुल। धार्मिक उत्सव के नवरात्र पर्व के पांचवें दिन दंतेवाड़ा में माता के स्कंद स्वरूप की पूजा विधि विधान से की गई। पौराणिक मान्यता के अनुसार माता का स्कंद रूप करुणा-ममता का प्रतीक हैं। कमल इनका प्रिय फूल और सिंह इनका वाहन होता हैं। संतान प्राप्ति के लिए श्रद्धालु भक्त उपवास के साथ केले कर भोग लगाते हैं और मनचाहा आशीर्वाद लेते हैं।माना जाता हैं कि इस दिन माता को कपूर धूप से आरती करना श्रेयस्कर होता हैं। बहरहाल, पंचमी दिन का भक्त बेसब्री से इंतजार करते हैं ऐसे में मंदिरों में भक्तों का अधिक जमावड़ा होता हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख जन गोष्ठी संपन्न,

सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय भाव जगाने पर जोर

किरंदुल। गीदम के जवांगा स्थित ऑडिटोरियम में सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिला दंतेवाड़ा द्वारा प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के पूजन अर्चना के साथ हुई।जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ. बुधरी ताती मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख भारत भूषण अरोरा साथ ही प्रांत संघचालक डॉ. टोपलाल वर्मा, विभाग संघचालक जितेन्द्र सिंह भदौरिया एवं जिला संघचालक संतोष महापात्र ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुभारंभ की। गोष्ठी में समाज की सज्जन शक्ति को एकजुट कर राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को समझने और निभाने पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य वक्ता भारत भूषण अरोरा ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में राष्ट्रीय विचारों और हिंदुत्व के प्रवाह को मजबूत करना आवश्यक है। समाज को एक सूत्र में जोड़कर एक दिशा में आगे बढ़ाना ही इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में वक्ता ने समाज के सामने मौजूद चुनौतियों पर चर्चा करते हुए पांच प्रमुख संकल्पों पर जोर दिया। पर्यावरण संरक्षण को राष्ट्र सेवा का आधार बताते हुए प्रत्येक परिवार से पौधरोपण करने का आह्वान किया गया। गौ-सेवा को भारतीय संस्कृति का मूल बताते हुए इसे बढ़ावा देने की बात कही गई। वहीं, बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत को लेकर चिंता जताई गई और उन्हें खेल-कूद व संस्कारों से जोड़ने की अपील की गई। इसके साथ ही परिवार में बुजुर्गों के सम्मान और मातृशक्ति के प्रति आदर को सभ्य

नारायणपुर के इंडोर स्टेडियम माहका में दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर का शुभारंभ, 25 मार्च तक जारी रहेगी सहायता प्रक्रिया

नारायणपुर। जिला प्रशासन द्वारा इंडोर स्टेडियम माहका में दिव्यांगजनों के सर्वांगीण कल्याण हेतु विशेष तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति (जयपुर फुट) के तकनीकी सहयोग से संचालित इस शिविर का उददेश्य जिले के दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और आवश्यक सरकारी दस्तावेज़ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। इस महत्वपूर्ण पहल के पहले दिन, जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 280 दिव्यांगजनों ने अपना सफल पंजीयन कराया। जिला प्रशासन ने सूचित किया है कि यह शिविर आज 24 मार्च और कल 25 मार्च को भी निरंतर जारी रहेगा, जिससे शेष पात्र हितग्राही अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप लाभ प्राप्त कर सकेंगे। शिविर के प्रथम दिवस की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों ने बताया कि पंजीयन के साथ-साथ मौके पर ही 60 नए दिव्यांगजनों का प्रमाण पत्र हेतु प्रमाणीकरण किया गया। इसी कड़ी में 3 हितग्राहियों के नए यूडीआई कार्ड तैयार किए गए और 12 कार्डों को अपडेट किया गया। इसके अतिरिक्त, 16 दिव्यांगजनों के आधार कार्डों में भी सुधार कार्य संपन्न किया गया ताकि उन्हें भविष्य में किसी भी शासकीय योजना का लाभ लेने में कठिनाई न हो। सहायक उपकरणों के वितरण की दिशा में भी शिविर अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है। पहले दिन 11 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग जैसे हाथ, पैर और जूते प्रदान कर उनके जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया गया। वितरण प्रक्रिया के अंतर्गत 2 दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, 5 को आधुनिक बैटरी चालित ट्राइसाइकिल, 2 को श्रवण यंत्र और 8 को व्हीलचेयर प्रदान की गई। वृद्धजनों और दृष्टिबाधित व्यक्तियों की सुविधा हेतु 8 वृद्धजनों को सामान्य छड़ी, 1 जोड़ी बैशाखी तथा 2 व्यक्तियों को श्वेत छड़ी भी वितरित की गई। जिला प्रशासन ने जिले के सभी शेष दिव्यांगजनों और उनके परिजनों से अपील की है कि वे 24 और 25 मार्च को आयोजित होने वाले इस शिविर का अधिकतम लाभ उठाएं। प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सहायक उपकरणों और प्रमाणीकरण की सुविधा से वंचित न रहे।

छिंदगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई : अवैध शराब परिवहन करते युवक गिरफ्तार, स्कॉर्पियो समेत लाखों का माल जब्त

सुकमा। जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के तहत थाना छिंदगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से शराब परिवहन कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और एक महंगी स्कॉर्पियो वाहन जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक किरण गंगा राम चव्हान के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह एवं अभिषेक वर्मा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी परमेश्वर तिलकवार के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई 23 मार्च 2026 को की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने छिंदगढ़ क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी अनीश कुमार पोंदी (26 वर्ष), निवासी देवी चौक पटनमपारा सुकमा को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से 4 पेटी बीयर (48 बोतल, कुल 31,200 एमएल) और 3 पेटी गोल्डन गोवा अंग्रेजी शराब (144 पौवा, कुल 25,920 एमएल) बरामद की गई। कुल 57,120 एमएल शराब की कीमत 26,880 रुपए आंकी गई है। इसके अलावा शराब परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर की काले रंग की स्कॉर्पियो वाहन, जिसकी कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई जा रही है, को भी जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रंजीत प्रताप सिंह सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

219 बटालियन सीआरपीएफ ने मेहता कैम्प में आयोजित किया सिविक एक्शन प्रोग्राम, 250 ग्रामीण हुए लाभान्वित

कोंटा। क्षेत्र में आम जनता से मित्रता और सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से 219 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। 24 मार्च 2026 को कोंटा रेंज के मार्गदर्शन में मेहता कैम्प219 बटालियन में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 250 स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मेहता गांव के सरपंच माडवी एर्रा सहित आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को साइकिल, मच्छरदानी, बर्तन, सौर लालटेन, चप्पल, महिलाओं के लिए साड़ी, बुजुर्गों के लिए कंबल व लुंगी तथा युवाओं के लिए खेल सामग्री और विद्यार्थियों को पढ़ाई से संबंधित सामग्री वितरित की गई। इसके साथ ही चिकित्सा दल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जिसमें ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में होने वाली बीमारियों जैसे लू, निर्जलीकरण, डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड से बचाव के उपाय बताए गए तथा जरूरतमंदों को दवाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सीआरपीएफक्षेत्र की सुरक्षा, सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे नक्सलियों के बहकावे में न आएं, बच्चों को शिक्षा दें और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर क्षेत्र के विकास में भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी ग्रामीणों के लिए भोजन और जलपान की व्यवस्था की गई।

20 मार्च की तारीख को 25 मार्च किया गया फिर भी नहीं पहुंचे अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य से भी हुई झूमाझट की, माहौल गरमाया

सोमनी पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग नहीं, मचा बवाल, हाथापाई तक की आई नौबत

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत सोमनी में जमकर बवाल मचा। सरपंच निलिमा साहू के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद दो बार तारीख दी गई, लेकिन दोनों ही बार पंचों से वोटिंग नहीं कराई गई। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण ऐसा हुआ। 25 मार्च को जब अधिकृत अधिकारी पंचायत नहीं पहुंचे तो पंचों ने जमकर हंगामा मचाया। वहीं सरपंच के समर्थकों के साथ झूमाझटकी भी हुई। मौके पर पुलिस बल भी पहुंचा और मामले को शांत कराया गया। पंचों ने इस हंगामे को लेकर सरपंच पर पति पर आरोप लगाया कि युवकों को साथ में लेकर ही उसने गांव का माहौल बिगाड़ने का काम किया है। इस दौरान मौके पर मौजूद जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख भी मौजूद थे, उनके साथ भी सरपंच समर्थकों ने झूमाझटकी की, इसके बाद माहौल और गरमा गया। उपसरपंच विजय सिंह राजपूत व नंदा वर्मा ने कहा कि 11 मार्च को सरपंच के खिलाफ अवश्विास प्रस्ताव लाया गया। उसके बाद 12 मार्च को हस्ताक्षरों को वेरिफिकेशन किया गया।

फिर 20 मार्च को सम्मेलन बुलाकर मतदान होना था। तय दिन पर सभी पंच पहुंचे, लेकिन सक्षम अधिकारी ग्राम पंचायत नहीं आए। इसके बाद पता चला कि तारीख बढ़ाकर 25 मार्च कर दी गई, जबकि इसकी सूचना पंचों को नहीं दी गई। इसके बाद 25 को सभी पंचायत भवन पहुंचे, लेकिन अधिकारी नहीं आए। इसके बाद पंचों ने विरोध किया। उन्होंने अरोप लगाया कि सरपंच पति के द्वारा गांव का माहौल बिगाड़ा गया और वहां हंगामा किया गया। पंचों ने कहा कि वे लगातार आवाज उठाते रहेंगे और सरपंच निलिमा साहू को हटाकर ही रहेंगे।

सभी भाजपा समर्थित लेकिन कार्यशैली का विरोध

जैसा की सामने आया, सरपंच और पंच भाजपा समर्थित ही है। उसके बाद भी सरपंच का विरोध किया जा रहा है। इस पर पंचों का कहना है कि 15वें वित्त की राशि खर्च नहीं की जा रही है। पंचायत के काम नहीं किए जा रहे हैं। विकास काम नहीं होने दिया जा रहा है। इसलिए वे अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। सरपंच निलिमा साहू ने कहा कि सालभर के भीतर उन्होंने विकास के सभी प्रस्ताव पास कर काम कराए हैं, लेकिन कई पंच काम को नहीं होने देते। इसी कारण यह सब समस्या आ रही है।

हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगाई

सोमनी सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इस मामले को हाईकोर्ट में भी लगाया गया था। 25 मार्च को सुनवाई हुई, जिसके बाद वोटिंग पर रोक लगाई है। इसकी सूचना मिलने के बाद मतदान नहीं कराया गया है।

-गौतम पाटिल, एसडीएम

पाहंदा ग्राम पंचायत में अनियमितताओं की जांच जारी,2025/26 का है मामला

अम्लेश्वर। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) में कथित अनियमितताओं को लेकर जांच समिति द्वारा जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायत में पदस्थ सचिव के समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने की शिकायतें सामने आई हैं, जिसके चलते सरपंच, उपसरपंच ने सचिव को हटाने की मांग जिला एवं जनपद सीईओ से की है। बताया जा रहा है कि लगभग एक माह पूर्व एक व्यक्ति द्वारा सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई थी, जिसके लिए 3000 की राशि भी जमा की गई थी। वर्तमान में जनपद पंचायत पाटन के जांच अधिकारी द्वारा 2025/26 मामले का निरीक्षण किया जा रहा है।

पूर्व में पदस्थ सचिव कार्यकाल का मामला सामने आ रहा है। उपस्थित जन समुदाय ने कहा है कि 22 लाख रुपया पिछला कार्य काल का बचा हुआ था। जिसका दुरुपयोग किया गया है।

भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत जिले के 32,295 हितग्राहियों के खाते में 10 हजार रुपये ट्रांसफर

50 हितग्राहियों को योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरित

दुर्ग। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत जिले के 32 हजार 295 हितग्राहियों के खाते में 10 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की गई। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष मती कुलेश्वरी देवांगन ने 50 हितग्राहियों को योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा बलौदाबाजार जिले से बटन दबाकर पात्र हितग्राहियों के खातों में राशि हस्तांतरित की गई, जिसका सीधा प्रसारण सभाकक्ष में किया गया। योजना के अंतर्गत भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। बजट 2026-27 में इस योजना के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष मती कुलेश्वरी देवांगन ने कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह उन परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है, जिनके पास अपनी जमीन नहीं है, लेकिन वे अपनी मेहनत से देश की नींव को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल आर्थिक सहायता देती है, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान करती है। उन्होंने हितग्राहियों से योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

मृतकों के परिजनों को मिली 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विभिन्न दुर्घटनाओं में असमय मृत्यु का शिकार हुए व्यक्तियों के परिजनों के लिए कुल 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है । प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुभाग दुर्ग के अंतर्गत ग्राम मतवारी निवासी पप्पू लाल चौधरी की 07 फरवरी 2025 को शिवनाथ नदी के महमरा एनीकेट में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो गई थी । इसी प्रकार, भिलाई-03 अनुभाग के ग्राम लिमतरा निवासी जगतराम यादव की 27 सितम्बर 2021 को गांव के डबरी तालाब में डूबने से मृत्यु हुई। अन्य प्रकरणों में, ग्राम सिकोला निवासी गुरु प्रकाश साहू की 27 मार्च 2024 को सिकोला तालाब में डूबने से और सुपेला भिलाई निवासी लोहित राव की 01 नवम्बर 2018 को रायपुर के महादेव घाट स्थित खारून नदी में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो गई थी।

दशहरा मैदान व शासकीय विद्यालय के सामने अवैध ठेले-खोमचे और नशीली गतिविधियों को लेकर शिकायत

भारत माता परियोजना के तहत हनोदा-बोरसी मुख्य मार्ग में बोगदा पुल की ऊंचाई बढ़ाने की मांग, 115 आवेदन प्राप्त हुए

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एडीएम विरेन्द्र सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 128 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत कानाकोट सरपंच व ग्रामवासियों ने पानी टंकी पानी प्रदान करने आवेदन दिया। ग्रामवासियों ने बताया कि गांव में पानी टंकी का निर्माण किया गया है और हर घर तक पानी पहुंचाने की योजना है, लेकिन वर्तमान में केवल कुछ ही घरों को इसका लाभ मिल पा रहा है। कई स्थानों पर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी सप्लाई बाधित है। गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की समस्या और गंभीर हो गई है। इस पर एडीएम विरेन्द्र सिंह ने पीएचई को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। वार्ड-14 पार्षद द्वारा शांति नगर क्षेत्र के दशहरा मैदान व शासकीय विद्यालय के सामने अवैध ठेले-खोमचे और नशीली गतिविधियों को लेकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि इन ठेलों के माध्यम से नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है, जिससे शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत स्कूली बच्चों और क्षेत्रवासियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत गंभीर है। इस पर एडीएम ने नगर निगम भिलाई को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम पंचायत हनोदा सरपंच ने भारत माता परियोजना के तहत हनोदा-बोरसी मुख्य मार्ग में बोगदा पुल की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की। ग्राम हनोदा में भारत माला परियोजना के तहत हनोदा-बोरसी मुख्य मार्ग में बन रहे गोबदा पुल की वर्तमान ऊँचाई 4 मीटर है। इससे फसल कटाई, हार्वेस्टर और सरकारी चावल की गाड़ियों के आवागमन में दिक्कत होगी। उन्होंने पुल की ऊँचाई 6 मीटर करने की मांग की। इस पर एडीएम ने एसडीएम दुर्ग व एनएच को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

युवा सरपंच रमाकांत साहू का अनोखी पहल : मां वृंदा देवी मंदिर में 'बर्तन बैंक' से स्वच्छता की मिसाल

पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र के खारू नदी के तट पर स्थित मां वृंदा देवी डिंडा कपाट आगेसरा में ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रमाकांत साहू ने जनसहयोग से एक अनोखी पहल करते हुए स्वच्छता की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मीडिया को जानकारी देते हुए सरपंच रमाकांत साहू ने बताया कि सामान्य चर्चा के दौरान उन्होंने अपने सरपंच साथियों के समक्ष मां वृंदा देवी मंदिर में 'बर्तन बैंक' बनाने का प्रस्ताव रखा। इस पहल को तुरंत समर्थन मिला और रेवा राम साहू (सरपंच गातापार), जीवधन ठाकुर (सरपंच भनसूली) तथा अमित अग्रवाल (सरपंच बेल्हारी) ने प्रारंभिक सहयोग प्रदान कर बर्तन बैंक को मजबूत बनाया। आज स्थिति यह है कि मंदिर में भोजन व्यवस्था के लिए बर्तनों की कोई कमी नहीं है। हजारों श्रद्धालु एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण कर सकते हैं और कहीं भी दोना-पत्तल का उपयोग नहीं हो रहा है। जिससे स्वच्छता को बढ़ावा मिल रहा है। वर्तमान में नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन निरंतर जारी है।

गर्मी के मद्देनजर खाद्य विभाग अलर्ट, जिले की पानी और जूस फैक्ट्रियों का हुआ औचक निरीक्षण

पानी फैक्ट्रियों में मिली गंदगी, कर्मचारियों के लिए हेड कैप और ग्लव्स अनिवार्य

दुर्ग। भीषण गर्मी के आगमन को देखते हुए जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले की पानी फैक्ट्रियों में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार खाद्य नियंत्रक एवं औषधि प्रशासन के मार्गदर्शन में विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया। इस कार्यवाही के दौरान विगत 19 मार्च को आर.एस. इंटरप्राइसेस जामुल और पाल एक्का छावनी भिलाई से पानी की बोतलों के नमूने लिए गए। वहीं, 20 मार्च को कुम्हारी स्थित आई.बी. सॉल्यूशन में नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर 180 बोरी पानी पाऊच जप्त किए गए। इसके अतिरिक्त, 23 मार्च को अमर बेवरेजेस कैलाश नगर भिलाई से पानी की बोतल और ज्योति इंडस्ट्रीज जेवरा सिरसा से लीची जूस के नमूने संकलित कर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच के दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी मती रिचा शर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारद राम कोमरे ने फर्मों के संचालकों को कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाणपत्र और पानी की शुद्धता की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही, स्वच्छता बनाए रखने और कार्य के दौरान कर्मचारियों को हैंड ग्लव्स व हेड कैप अनिवार्य रूप से पहनने की हिदायत दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 (विनियम 2011) के तहत कड़ी कार्यवाही की जाएगी। गर्मी के सीजन को देखते हुए नमूनों के संकलन और निरीक्षण का यह कार्य आने वाले दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा।

नगर निगम दुर्ग की पहल : 31 मार्च तक चलेगा स्वच्छता दीदियों मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण अभियान

ब्लड, शुगर, थायरॉइड सहित कई जांचें होंगी नि:शुल्क

दुर्ग। उप मुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा 14 मार्च 2026 से प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में स्वच्छता दीदियों एवं अमृत मित्रों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाने की घोषणा की गई है। इसी क्रम में आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 31 मार्च 2026 तक विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। नगर निगम द्वारा इन शिविरों का आयोजन स्वच्छता दीदियों के कार्यस्थल के समीप ही किया जाएगा, ताकि उन्हें सुविधाजनक तरीके से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा परामर्श, उपचार एवं निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया जाएगा। साथ ही आवश्यकतानुसार विभिन्न जांचें भी की जाएंगी, जिनमें प्रमुख रूप से ब्लड टेस्ट, थायरॉइड टेस्ट, बीपी, शुगर टेस्ट, यूरिन टेस्ट, यूरिक एसिड, एलडीएच, कोलेस्ट्रॉल सहित अन्य जांचें शामिल हैं। नगर निगम क्षेत्र में कार्यरत समस्त महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही प्रतिदिन की रिपोर्ट राज्य शहरी विकास अभिकरण को भेजी जाएगी।

जिला अस्पताल में 900 ग्राम के समयपूर्व नवजात को मिली नई जिंदगी, नवजात शिशु देखभाल इकाई टीम की बड़ी सफलता

दुर्ग। जिला अस्पताल दुर्ग में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने नवजात शिशु को नया जीवन प्रदान करने में एक बार फिर से बड़ी सफलता प्राप्त की। अंजोरा निवासी मती ममता जांगड़े पति शेखर के यहां 4 फरवरी 2026 को एक समयपूर्व नवजात शिशु का जन्म हुआ, जिसका वजन जन्म के समय मात्र 900 ग्राम था। शिशु की हालत बेहद गंभीर थी और उसे सांस लेने में गंभीर परेशानी हो रही थी। चिकित्सकीय जांच में नवजात को रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम से पीड़ित पाया गया। स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में भर्ती कर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। नवजात शिशु देखभाल इकाई इंचार्ज पीडियाट्रिशियन डॉ. वाई. किरण कुमार के नेतृत्व में शिशु के फेफड़ों में सर्फैक्टेंट थेरेपी दी गई, जिसमें डीएनबी रेजिडेंट डॉ. हेमंत सिंह ने सहयोग किया। जिला अस्पताल से प्राप्त जानकारी अनुसार उपचार के दौरान शिशु को आवश्यकतानुसार पीआरबीसीएस (रक्त) चढ़ाया गया, आईव्ही एंटीबायोटिक्स सहित अन्य जरूरी दवाएं दी गई। साथ ही नियमित आरओपी स्क्रीनिंग, पोषण प्रबंधन और निरंतर मॉनिटरिंग की गई। लगभग 50 दिनों तक चले गहन उपचार के बाद शिशु की स्थिति में लगातार सुधार हुआ। वर्तमान में शिशु पूरी तरह स्वस्थ है और उसका वजन बढ़कर 1.8 किलोग्राम हो गया है। चिकित्सकों ने संतोष व्यक्त करते हुए शिशु को अस्पताल से छुट्टी दे दी है। इस सफलता में शिशु रोग विभाग के प्रमुख डॉ. आर. के. मल्होत्रा, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमंत कुमार साहू, डॉ. वाई. किरण कुमार, नवजात शिशु देखभाल इकाई मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशीष साहू, डॉ. पूजा, डॉ. आलोक सहित नर्सिंग स्टाफ और सहयोगी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिन्ज ने इस उपलब्धि पर पूरी नवजात शिशु देखभाल इकाई टीम को बधाई दी।

सामुदायिक शौचालयों का संधारण कार्य जारी, नागरिकों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

40 शौचालयों की जिम्मेदारी स्व-सहायता समूहों को, रख-रखाव में तेजी

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र में नागरिकों को स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक शौचालयों का संधारण कार्य तेजी से जारी है। निगम द्वारा कुल 40 सामुदायिक शौचालयों को छत्तीसगढ़ शासन की स्वच्छता श्रृंगार योजना के तहत विधिवत प्रक्रिया पूरी कर स्व-सहायता समूहों को संचालन एवं रख-रखाव के लिए सौंपा गया है। निगम प्रशासन द्वारा पुराने और जर्जर शौचालयों की स्थिति को सुधारने के लिए व्यापक स्तर पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। कई शौचालयों में दरवाजों का परिवर्तन, टूटी सीटों की मरम्मत तथा पुराने सीवरेज टैंकों का पुनः संधारण किया जा रहा है। वहीं, जिन शौचालयों की हालत अत्यधिक खराब है और जहां जनहानि की आशंका है, वहां सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिस्मेंटलिंग की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। वर्तमान में कई स्थानों पर पुराने दरवाजे हटाकर नए दरवाजे लगाए जा रहे हैं। जल आपूर्ति की समस्या को गंभीरता से लेते हुए निगम ने सहायक अभियंता (नल-जल) को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बोर की सफाई एवं खराब पंपों को बदलने का कार्य किया जा रहा है, ताकि शौचालयों में पानी की उपलब्धता सुचारु बनी रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विभिन्न वार्डों में संधारण कार्य तेजी से प्रगति पर है। वार्ड क्रमांक 53 एवं 54 में नए सेप्टिक टैंक, दरवाजे, लाइट और अन्य आवश्यक फिटिंग कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा वार्ड 34, 19 एवं 22 में भी संधारण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसे शीघ्र पूर्ण कर आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

निगम द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी शौचालयों की नियमित साफ -सफाई स्व-सहायता समूहों के माध्यम से लगातार की जाए, जिससे शहर में स्वच्छता का स्तर और बेहतर हो सके।

मनरेगा के तहत अनारकली को मिला पक्का पशु शेड, दूध व्यवसाय से हो रही अच्छी आमदनी

दुर्ग। ग्राम पंचायत महमरा की रहने वाली मती अनारकली यादव एक साधारण ग्रामीण महिला हैं, पति रामेश्वर यादव के साथ वे वर्षो से पशुपालन और कृषि कार्य के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थीं। मती अनारकली के पास पहले से कुछ गौधन था, जो उनके जीवनयापन का मुख्य आधार था। लेकिन पशुओं के लिए उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पशुओं को कच्चे शेड में रखा जाता था, जहां न तो साफ-सफाई संभव थी और न ही मौसम से सुरक्षा। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। पशुओं को कभी खुले में रखना पड़ता, तो कभी कीचड़ और गंदगी में। इससे पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ता और दूध उत्पादन भी प्रभावित होता था। अनारकली लंबे समय से एक पक्के पशु शेड का सपना देख रही थीं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। आखिरकार उन्होंने हिम्मत जुटाई और अपनी समस्या ग्राम सभा में रखी। उनकी बात को गंभीरता से लेते हुए ग्राम पंचायत ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत उनके लिए पशु शेड निर्माण को स्वीकृति दी। करीब 0.95 लाख रुपये की लागत से पक्का पशु शेड बनाया गया। निर्माण के दौरान ग्राम पंचायत का पूरा सहयोग मिला और इस प्रक्रिया में अनारकली को मजदूरी भी प्राप्त हुई, जिससे उनकी आय में तुरंत सहारा मिला। शेड बनने के बाद जैसे उनकी जिंदगी बदल गई। अब उनके पशुओं को सुरक्षित, साफ और व्यवस्थित आश्रय मिलने लगा। इसका सीधा असर पशुओं के स्वास्थ्य और दूध उत्पादन पर पड़ा। पहले जहां उनके पास लगभग 11 पशु थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 35 के करीब पहुंच गई है।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995